मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

संवत 2082, पौष शुक्ल 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 106 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ निजी क्षेत्र में वेतन असमानता व श्रम कानून

सोनम बाजवा बॉर्डर 2 से करेंगी 2026 की शुरूआत ◂◂ 6

ट्रक की टक्कर से स्लीपर बस में लगी आग 10 लोग जिंदा जले,पीएम ने जताया शोक

20 से अधिक घायल, मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि की घोषणा

दिल्लीः कर्नाटक के चित्रदुर्ग में भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां गुरुवार सुबह ट्रक और स्लीपर कोच बस के बीच टक्कर हो गई। हादसे के बाद बस में आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 10 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी दुख व्यक्त किया है।

ट्रक चालक की वजह से पेश आया हादसाः पुलिस के अनुसार, यह हादसा नेशनल हाईवे-48 पर गोरलाट्टू क्रॉस पर रात करीब 2 बजे हुआ। अंधेरी रात में एक अनियंत्रित ट्रक डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी तरफ चला गया और बस से जा टकराया। टक्कर होते ही बस में आग लग गई। देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई। सभी इधर-उधर भागने लगे। कुछ लोग अपनी जान बचाने में कामयाब रहे, कुछ लोग अंदर ही फंस गए और जलकर मर गए। इस घटना में ट्रक ड्राइवर की भी मौत हो गई। यह स्लीपर बस थी, जिसके कारण कुछ लोगों को भागने का मौका नहीं मिला।

अधिकारियों के मुताबिक, प्राइवेट स्लीपर कोच बस बेंगलुरु से तटीय शहर गोकर्ण जा रही थी, तभी ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। मरने वालों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि हादसा ट्रक ड्राइवर की लापरवाही की वजह से हुआ। बस के ड्राइवर और क्लीनर को कोई चोट नहीं आई। कारण कि बस के पिछले हिस्से में टक्कर लगी थी। ट्रक ड्राइवर उत्तर प्रदेश का रहने वाला था, जिसकी पहचान कुलदीप के रूप में हुई है।

बस में 32 लोग थे सवारः आईजी (नॉर्थ ईस्ट) बीआर रविकांत गौड़ा ने कहा कि 10 यात्री लापता हैं और उनके मारे जाने की आशंका है। उन्होंने कहा कि शव मिलने के बाद सही जानकारी का पता चलेगा। हादसे में कुल 20 लोग घायल हुए हैं। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, बस में 32 यात्री सवार थे। इनमें से 21 घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है, जिनमें से कई गंभीर रूप से जल गए हैं, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

अधिकारियों ने बताया कि शवों के मिलने के बाद ही मरने वालों की सही संख्या का पता चलेगा। अधिकारियों ने बताया कि 12 यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें हिरियुर तालुक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जबकि आठ यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें तुमकुरु शहर के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

तमिलनाडु में बस ने 2 कारें कुचलीं, 9 की मौत,4 घायल

बस का टायर फटने से हुआ हादसा

चेन्नई : तमिलनाडु के कडलूर जिले में बुधवार रात सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तिरुचिरापल्ली से चेन्नई जा रही रोडवेज बस का स्टेट हाईवे पर टायर फट गया था।

बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ती हुई दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रहीं 2 कारों को कुचल दिया। दोनों कारें बस के नीचे फंसकर पूरी तरह चकनाचूर हो गईं।

हादसे की सूचना मिलते ही तित्ताकुडी और रामनाथम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से फंसे लोगों को

बाहर निकाला। घायलों को तित्ताकुडी और पेरंबलूर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हादसे के कारण चेन्नई-तिरुचि नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। करीब दो घंटे बाद क्रेन से वाहन हटाकर यातायात चालू किया गया।

हादसे की सूचना मिलते ही तित्ताकुडी और रामनाथम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से फंसे लोगों को बाहर निकाला।

हादसे के कारण चेन्नई-तिरुचि नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

मुख्यमंत्री ने मृतकों-घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया : मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सीएम ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवारों को 3-3 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। घायलों को 1-1 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

चाईबासा में भीषण सड़क हादसा

बाइक-ट्रैक्टर की टक्कर में तीन युवकों की मौत,एक गंभीर

पश्चिमी सिंहभूमः जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत आचु गांव में देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिंह पोखरिया निवासी भगवान सवैंया, टोंटो निवासी संतु बुड़िउली और एक अन्य युवक के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक उलीझारी निवासी भगवान कुदादा बताया गया है, जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

पुलिस सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जड़ी-बूटी की दवा बनवाने चीरु हाट गए थे। देर रात घर लौटने के दौरान आचु गांव के समीप मोड़ पर सड़क किनारे खड़े लकड़ी से लदे ट्रैक्टर से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार चारों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक युवक को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए निगरानी में रखा गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर चालक पुलिस के पहुंचने से पहले ही अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर पर लकड़ी लदी हुई थी और उसे सड़क किनारे बिना किसी चेतावनी संकेत के खड़ा किया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना चाईबासा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रैक्टर मालिक और फरार चालक की पहचान में जुटी हुई है।

रांची में देर रात ताबड़तोड़ फायरिंग, इलाके में दहशत

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के मोरहाबादी क्षेत्र अंतर्गत कुसुम विहार रोड नंबर 9 में बुधवार देर रात दो से तीन युवकों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग किए जाने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। फायरिंग की घटना के बाद लोग अपने-अपने घरों में दुबक गए जबकि अपराधी मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, शाम करीब साढ़े छह बजे दो से तीन युवक कुसुम विहार रोड नंबर 9 पहुंचे और एक राशन दुकान को जबरन बंद कराने का दबाव बनाने लगे।

दुकानदार द्वारा दुकान बंद नहीं करने पर कुछ देर बाद युवकों ने

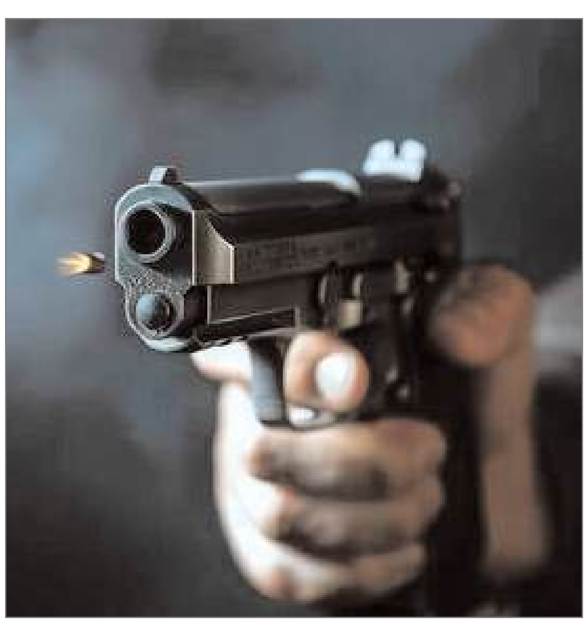

अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलने की आवाज से पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घटनास्थल से गोली का खोखा बरामद किया है।पुलिस ने बताया कि फायरिंग के बाद मौके से भाग निकले। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना से पहले अपराधियों की एक व्यक्ति से कहासुनी हुई थी और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी और बरियातू थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ की और यह पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग किसने और किस कारण की।

सुशासन दिवस पर अटल जी को शीर्ष नेतृत्व का नमन, राष्ट्रपति-पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्लीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा के कई नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी।

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा और उन्होंने कहा कि नेतृत्व पद से नहीं, बल्कि आचरण से परिभाषित होता है। संस्कृत के एक सुभाषित का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि महान नेताओं के कर्म समाज का मार्गदर्शन करते हैं, और उन्होंने कहा कि यह पहलू वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि अटल जी की जयंती हम सभी के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का एक विशेष अवसर है। उनका आचरण, गरिमा, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि उत्कृष्टता पद से नहीं, बल्कि आचरण से स्थापित होती है, और यही समाज का मार्गदर्शन करता है। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था और वे तीन बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए।

वाजपेयी दशकों तक भाजपा का चेहरा रहे और वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे जिन्होंने पूर्ण कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी ने 16 मई, 1996 से 1 जून, 1996 तक और फिर 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनका निधन 16 अगस्त, 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में हुआ।

न्यूज IN ब्रीफ

उरंगढा नदी में शिव राम साधु मेला का आयोजन कल

मुरी : आगामी 26 दिसम्बर को मुरी- गोला मुख्य सड़क के उरंगढा नदी तट पर विशाल स्व शिव राम साधु मेला का आयोजन किया गया है। उक्त आशय की जानकारी मेला समिति के आयोजक गणेश करमाली ने दी। वही सिंगपुर भारतमाता के पास साल के अंतिम दिन 31 दिसम्बर को विराट मुरगा लडाई का आयोजन किया गया है।

प्रेम, करुणा, क्षमा, सेवा और मानवता के प्रतीक है प्रभु यीशु

मुरी: कैथोलिक चर्च में प्रभु यीशु के जन्मदिवस पर रात्रि बारह बजे चर्च का घंटा बजा और चर्च में विषेश प्रार्थना सभा की गई। इसी तरह नया बजार स्थित जीईएल चर्च, सिंगपुर स्थित सीएनआई चर्च और मिजरा चर्च में प्रभु यीशु के आशीषों के लिए प्रार्थना की। प्रार्थना में जगत के प्राणियों के प्रति क्षमा करने और सेवा करने का संकल्प लिया गया। चर्च में क्रिसमस ट्री और चरनी मे बनाए गए । प्रभु यीशु के जन्म को चित्रित किया गया। संता क्लोज ने बच्चों के बीच चाकलेट बांटे। अंचल कर्मचारी ने कार्यों का त्वरित निष्पादन किया।

सराहनीय हैं कांके अंचल कर्मचारी संजय कुमार के कार्य

रांची : रांची उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार हर मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस जनता दरबार से सैंकड़ों लोगों को फायदा पहुंच रहा है। कांके अंचल सीओ अमित भगत और कांके अंचल कर्मचारी हलका छह के संजय कुमार अपने अच्छे कार्यों के कारण लोगों के जुबान पर है। कर्मचारी संजय कुमार वो है जिनको लोग अबतक का कांके अंचल के सबसे अच्छा कर्मचारी कहने को मजबूर है। जैसे रौशनी को कोई कैद नहीं कर सकता और जहां पर रौशनी होगी वहां अंधेरा नहीं रह सकता। उसी तरह इन दिनों कांके के सीओ अमित भगत और कांके अंचल हल्का छ के कर्मचारी संजय कुमार कांके हल्का के लिए रौशनी बने हुए हैं। कर्मचारी संजय कुमार तो जनता की समस्याओं को जल्द निपटाने के लिए अभियान चलाते हैं। भू-स्वामियों के मुताबिक कांके अंचल के हलका कर्मचारी संजय कुमार लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन के प्रति सक्रिय हैं। उनकी तत्परता से लंबित मामलों का निपटारा ससमय हो रहा है।भू-स्वामियों के मुताबिक कांके के अंचलाधिकारी अमित भगत व अंचल निरीक्षक चितरंजन टुडू, कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उप प्रमुख अजय बैठा सहित अन्य सभी कर्मचारियों का कार्य सराहनीय है। कर्मचारियों विशेषकर संजय कुमार कर्मचारी हल्का छ का कहना है कि हम जनता के कार्यों के लिए ही बहाल किए गए हैं। इसलिए जनहित के कार्यों को प्राथमिकता जरूरी है।

कर्नाटक से लौटे युवक की रहस्यमय मौत, नदी में मिला शव

रनिया: थाना क्षेत्र में एक युवक की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली है। पुलिस ने सोदे के कोयल नदी के डोंगा घाट से बहता हुआ एक शव बरामद किया है, जिसकी पहचान सिमडेगा जिले के बानो थाना अंतर्गत रोमजोल गांव के 20 वर्षीय विवेल मड़की के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर रनिया थाना पुलिस ने कोयल नदी से युवक के शव को बरामद किया। शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। मृतक विवेल मड़की परिवार में कमाने वाले इकलौते सदस्य थे और तीन बहनों के इकलौते भाई थे। वह रोजगार के सिलसिले में कर्नाटक गए हुए थे और घटना वाले दिन ही घर लौटे थे।

16 दिसंबर को घर लौटने के दौरान वह साप्ताहिक हाट (बाजार) लगने के कारण सोदे गए थे। शाम को घर लौटते समय रास्ते में वह लापता हो गए। मृतक के पिता उमबलन मड़की के अनुसार, 16 दिसंबर की देर रात तक जब विवेल घर नहीं लौटे, तो खोजबीन शुरू की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 17 दिसंबर को, परिजनों और स्थानीय लोगों द्वारा की गई खोज के दौरान, महादेव मंडा के पास कोयल नदी से विवेल का बैग बरामद हुआ था। यह घटना पूरे इलाके में सदमा और शोक की लहर दौड़ा दी है। परिवार और स्थानीय लोग न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

रजिस्ट्री दफ्तर में ताला, 28 दिनों से सरकार को करोड़ों की चपत

चतरा : जिले में जमीन की खरीद-बिक्री का पहिया पूरी तरह थम गया है। जिला निबंधन पदाधिकारी और दस्तावेज नवीस संघ के बीच की जंग अब आर-पार की लड़ाई में तब्दील हो चुकी है। आज हड़ताल का 28 वां दिन है, लेकिन समाधान के बजाय विवाद की खाई और गहरी होती जा रही है। क्या एक अधिकारी की 'मनमानी' सरकार के खजाने पर भारी पड़ रही है? चतरा जिला निबंधन कार्यालय में सन्नाटा पसरा है, लेकिन दस्तावेज नवीस संघ का आक्रोश सातवें आसमान पर है। अनिश्चितकालीन हड़ताल के 28 दिन बीत जाने के बाद अब सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो चुका है। संघ के अध्यक्ष महेंद्र राम ने सीधे तौर पर जिला निबंधन पदाधिकारी पर गंभीर आरोप मढ़े हैं। आरोप है कि अधिकारी विभागीय आदेशों को ठेंगा दिखा रहे हैं। जहाँ एक ओर सीएनटी एक्ट की जमीनों की रजिस्ट्री के गंभीर आरोप लग रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सही कागजात वाली जमीनों में 'मीन-मेख' निकालकर काम लटकाया जा रहा है।संघ का दावा है कि पदाधिकारी न तो हाईकोर्ट के आदेश को मान रहे हैं और न ही सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों को। सरकार द्वारा डिजिटाइज्ड किए गए खतियान और कम्प्यूटरीकृत पंजी-2 को मानने से इनकार कर रजिस्ट्री कार्य में बाधा डाली जा रही है। दस्तावेज नवीस संघ ने साफ कर दिया है कि जब तक ऐसे 'तानाशाह' अधिकारी के कार्यशैली में बदलाव नहीं आता या उन पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस गतिरोध के कारण आम जनता परेशान है और रजिस्ट्री कार्यालय की साख दांव पर लगी है।

सुशासन सप्ताह अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के डुमरीकला पंचायत सचिवालय भवन में बुधवार को सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य रूप से बीपीओ निरंजन कुमार सिंह, पंचायत सचिव आनन्द कुमार, मुखिया साधना सिंह, और मुखिया प्रतिनिधि समरेश सिंह थे। इस दौरान धान बिक्री को लेकर दो दर्जन किसानों ने पंजीकरण कराया।वहीं साथी कई लोगों का आय,आवासीय,जाती एवं जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। शिविर में किसानों को बताया गया कि धान अधिप्राप्ति केंद्र पर धान की बिक्री करने पर एक किलोग्राम की कटौती नहीं किया जाएगा। यदि क्रय केंद्र द्वारा कटौती की जाती है तो इसकी शिकायत अवश्य करें।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की नृशंस हत्या के विरोध में विरोध-प्रदर्शन

संवाददाता

खूंटी : बांग्लादेश में अल्पसंख्यक सनातनी हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की कथित तौर पर कट्टरपंथी तत्वों द्वारा निर्मम हत्या के विरोध में भारत के कई हिस्सों में गुस्सा फूट पड़ा है। खूंटी में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के बैनर तले आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की यूनुस खान सरकार का प्रतीकात्मक पुतला जलाया गया। बांग्लादेश के रहने वाले दीपू चंद्र दास को कुछ कट्टरपंथी तत्वों ने अगवा कर लिया। और दीपू दास को उसके धार्मिक विश्वासों और सबका धर्म एक है, सबके भगवान एक हैं जैसे विचार व्यक्त करने के लिए यातनाएं देकर हत्या कर दी। शव के साथ दुर्व्यवहार किया गया और जला दिया गया।

इस घटना ने भारत में, खासकर हिंदू संगठनों में, रोष पैदा कर दिया है। खूंटी में विहिप के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार परअल्पसंख्यकों के संरक्षण में विफल रहने और जिहादी कट्टरपंथियों को शह देने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा, दीपू चंद्र दास की सिर्फ इतनी गलती थी कि उसने सर्वधर्म समभाव की बात कही। बांग्लादेश की सरकार ने न सिर्फ उसे बचाने में कोताही की, बल्कि ऐसा लगता है कि उसे मारने के लिए ही मौका दिया गया।

विरोध कर रहे लोगों ने एक मौलिक और विवादास्पद सवाल उठाया। उनका कहना है कि अक्सर यह देखने को मिलता है कि जहां मुस्लिम अल्पसंख्यक होते हैं, वहां सबका धर्म एक और सबके भगवान एक का नारा लगाया जाता है। लेकिन जहां वे बहुसंख्यक हो जाते हैं, वहां अक्सर अन्य धर्मों के लोगों को बराबरी का दर्जा नहीं मिल पाता, उनकी धार्मिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाती है और उनके अस्तित्व को चुनौती दी जाती है। प्रदर्शनकारियों का यह सवाल उस सामाजिक-धार्मिक विरोधाभास की ओर इशारा करता है जिस पर दुनिया भर में बहस होती रही है। दीपू चंद्र दास की हत्या की घटना ने एक बार फिर बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के सवाल को गहरा कर दिया है। भारत में इसके विरोध में जो आक्रोश फूटा है, वह न केवल इस घटना से, बल्कि एक बड़े सामाजिक-धार्मिक प्रश्न और पड़ोस में बढ़ते कट्टरवाद की चिंता से उपजा है। यह देखना होगा कि भारत सरकार इस मामले में किस तरह की कूटनीतिक और राजनीतिक रणनीति अपनाती है और बांग्लादेश की सरकार अपने यहाँ न्याय और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाती है।

आरटीसी स्कूल में खेल कूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

संवाददाता

मुरी : आरटीसी पब्लिक स्कूल सिंगपुर मुरी में तीन दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का भव्य तरीके से समापन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि , पूर्व जिला परिषद् सुशील महतो , सिल्ली प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक एवं बांसारूली पंचायत के मुखिया लालू ऊराँव ने फीता काट कर पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। मंच पर आसीन बुद्धिजीवियों सुशील महतो, श्री बडाईक, लालु ऊराँव, ,लक्ष्मण को विद्यालय के प्राचार्य तुलसी दास महतो ने शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। वर्ग दशम में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। खेल कूद प्रतियोगिता में छोटे बच्चों के लिए जलेबी दौड़, बिस्कुट दौड़, मेढ़क

दौड़, 100 मीटर दौड़, कबड्डी, इन-आउट गेम को रखा गया था। सीनियर बच्चों में छात्राओ के लिए गोली- चम्मच, सुई धागा, मुजिकल चेयर, रस्सी खींच प्रतियोगिता, बैडमिंटन, कबड्डी, एक तीर दो निशान, मेथ रेस को रखा गया था। वहीं छात्रों के लिए वॉलीबॉल, कबड्डी रस्सी खींच प्रतियोगिता, एक तीर दो निशान, मेथ रेस को रखा गया था। वॉलीबॉल में वर्ग दशम के छात्र, कबड्डी में वर्ग नवम के छात्राएं चैंपियन बनी। इस मौके पर के जी टू और के जी वन के एक छात्र ने 36 तक का तो दूसरे छात्र ने 25 तक का पहाड़ा सुनाया। इस विशेष अवसर पर सुशील ने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेल कूद में भी आगे बढ़ चढ़ कर भाग लेने की नसीहत दी। जितेंद्र ने 25 साल में विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं के सर्वांगिण विकास की सराहना करते हुए बच्चों को सही मार्ग पर चल कर लक्ष्य निर्धारण करने की सलाह दी। वे बच्चों के अनुशासन को देख बहुत खुश हुए। लालु उरांव ने बच्चों को शिक्षकों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने को कहे। मौके पर विद्यालय के निदेशक शोभा राम महतो ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यालय के बारे में पुरानी यादों से जुड़ी हुई बातों को बताये और प्रत्येक गांव, प्रखंड एवम दूर सुदूरवर्ती क्षेत्रों में विद्यालय से जो पढ़ कर आगे अनेक कार्मिक क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं, उनकी भी सराहना किये। विद्यालय के प्राचार्य तुलसीदास ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किये जो जीत नहीं सके उनमें हौसला भरे। मंच का संचालन बहुत ही सुंदर तरीके से उप प्राचार्य धर्मेंद्र ने की। मौके पर सीनियर सेक्शन की प्राचार्या सुषमा देवी, टेकलाल महतो, नवल महतो, अजीत महतो, प्रिया गुप्ता, संगीता, गौतम, बिरेंद्र, नीता, यशोदा, अमित, परमेश्वर एवम सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं मौजूद रही।

सीएसआर योजनांतर्गत एम्बुलेंस व बाइक सेवा का शुभारंभ

संवाददाता

चतरा : जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए समाहरणालय परिसर से सीएसआर योजनांतर्गत प्राप्त एम्बुलेंस एवं बाइक सेवा का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चतरा लोकसभा के सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार उज्ज्वल, बड़कागांव के विधायक रौशन लाल चौधरी तथा उपायुक्त कीर्तिश्री द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस एवं बाइक को रवाना किया गया। इस मौके पर जिलेवासियों के लिए जीवन तरंगिनी निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा की औपचारिक शुरूआत की गई। सेवा के सुचारु संचालन हेतु दो टोल-फ्री नंबर 6203997884 एवं 6203987810 जारी किए गए हैं, जो 24 घंटे, सातों दिन सक्रिय रहेंगे। इन नंबरों पर कॉल करने पर मरीजों को निकटतम प्रखंड से त्वरित रूप से निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे गंभीर रूप से बीमार अथवा दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को समय पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाया जा सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों एवं उपायुक्त ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी।

अंजनी स्टोन वर्क्स संचालक बने असहाय लोगों का सहारा

चतरा: कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी सह अंजनी स्टोन वर्क्स संचालक संदीप कुमार सिंह ने मानवता भरी सेवा की एक मिशाल पेश की है।उन्होंने बुधवार को डुमरी गांव में मानवीय पहल करते हुए बुजुर्गों, असहायों और विधवा महिलाओं के बीच 200 कंबल का वितरण किया। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान संदीप कुमार सिंह ने कहा कि कड़ाके की ठंड में असहाय और कमजोर वर्गों की सहायता करना समाज का नैतिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य निरंतर जारी रहेंगे, ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड से परेशान न हो। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरे पर राहत और खुशी देखने को मिली। उन्होंने श्री सिंह को आशीर्वाद देते हुए इस मानवीय पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

दिशा की बैठक में सांसद ने की विकास योजनाओं की समीक्षा

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत स्वरूप पौधा भेंट कर किया गया।बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं–प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, बिजली, सड़क निर्माण, पीएम स्व निधि योजना सहित अन्य योजनाओं–की अद्यतन प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इसके साथ ही 04 जुलाई 2025 को आयोजित पूर्व दिशा बैठक में उठाए गए बिंदुओं, जिनमें सांसद आदर्श ग्राम योजना, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) मद से संचालित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं पुल निर्माण कार्य, पेयजलापूर्ति, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मातृत्व वंदना योजना शामिल हैं, उनके क्रियान्वयन एवं अनुपालन की स्थिति पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान वृद्धा पेंशन से संबंधित समस्याओं पर विशेष रूप से विचार किया

गया। बताया गया कि अधिक आयु के कारण कई लाभुकों के बायोमैट्रिक सत्यापन में कठिनाई आ रही है, जिससे पेंशन राशि की निकासी बाधित हो रही है। इस संबंध में सामाजिक सुरक्षा विभाग ने अवगत कराया कि बायोमैट्रिक के अतिरिक्त आइरिस सत्यापन के माध्यम से भी लाभुकों को लाभान्वित किया जा रहा है, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित न रहना पड़े।इसके अलावा कोयला परियोजनाओं से निकलने वाली राख से आमजन के स्वास्थ्य एवं आंखों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के लिए आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित परियोजना अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। कोल परियोजनाओं से जुड़े भारी वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए भी प्रभावी कदम उठाने पर सहमति बनी, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।बैठक में जिले के जर्जर सरकारी विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मती कर उन्हें सुचारू रूप से संचालित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अधिक जन आवागमन वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां दाल-भात केंद्रों के संचालन को सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। इस दौरान सभी प्रखंडों के प्रमुख, मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं को बैठक में रखा।सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि विकास योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए और इसके लिए पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। वहीं उपायुक्त कीर्तिश्री ने सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के अंत में सभी विभागों द्वारा क्रमवार योजनाओं की अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव एवं निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उपायुक्त कीर्तिश्री , चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल, बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह (हजारीबाग), वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी) राहुल मीणा एवं (दक्षिणी) मुकेश कुमार, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम एवं सिमरिया सन्नी राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित सभी प्रखंड प्रमुख, दिशा के सदस्यगण एवं विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुनहरे समागम का साक्षी बना उत्क्रमित प्लस 2 उच्च विद्यालय मरदीरीरी

विशेष शिक्षक - अभिभावक बैठक, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए डीडीसी

लोग आपको पिता के नाम से नहीं बल्कि आपके पिता को आपके नाम से जाने: अमरेंद्र कुमार सिन्हा

संवाददाता

चतरा : सदर प्रखंड के उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय मरमदीरी में हुए विशेष शिक्षक अभिभावक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के आगमन से विद्यालय का पूरा परिवार प्रसन्नता से अभिभूत रहा। गर्मजोशी से स्वागत, दीप प्रज्वलन के उपरांत स्वागत गान और विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक शशांत कुमार के स्वागत अभिभाषण के साथ झारखंड परिदृश्य को समर्पित छात्राओं का लोक नृत्य बहुत ही मनमोहक रहा। विद्यालय के शिक्षिका डॉ संध्या रानी ने अपनी स्वरचित काव्यात्मक पंक्तियों के द्वारा विद्यालय और विद्यालय में चलने वाले कार्यक्रमों का सुंदर शाब्दिक चित्र प्रस्तुत किया। इस मौके पर विद्यालय में उपस्थिति, जिला रेल, राज्य रेल, राज्य स्तरीय- देश स्तरीय उपलब्धि के आधार पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।साथ ही उनके अभिभावक को भी सम्मानित किया गया। उप विकास आयुक्त के द्वारा हाउस समन्वयक शिक्षक अभिभावक का सम्मान मन को आह्लादित करता रहा। इस शुभ अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका डॉ संध्या रानी ने जीकेएसएस ग्वालियर मध्य प्रदेश द्वारा सम्मानित अंतरराष्ट्रीय एजुकेशन आईडल प्राइड अचीवर्स अवार्ड 2025 के सम्मान

को भी उप विकास आयुक्त के कर कमलों से ग्रहण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावकों और छात्र-छात्राओं की अनुशासित उपस्थिति कार्यक्रम को सफल बनाने में बहुत ही सहयोगी रहा। उप विकास आयुक्त ने कार्यक्रम को सफल बताते हुए राज्य स्तरीय और देश स्तरीय उपलब्धि के लिए छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी बधाई और शुभकामना दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य शिक्षा की सार्थकता के तहत कई महत्वपूर्ण बातों को रखा। उप विकास आयुक्त ने अपने वक्तव्य से ग्रामीण क्षेत्र में कम संसाधन के बावजूद अच्छी प्रगति पर प्रशस्त कदमों को गति प्रदान किया। छात्रों को शुभकामना देते हुए कहा कि शिक्षा और लगन से इतने आगे बढ़े कि लोग आपको आपके पिता के नाम से नहीं बल्कि आपके पिता को आपके नाम से जाने। विद्यालय के मैंदान के लिए चहारदिवारी पर भी उन्होंने अपना ध्यान जताया।

पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन विद्यालय के शिक्षक शमीम जेया ने बहुत ही सुंदर समय प्रबंधन के साथ किया। बाल संसद के प्रधानमंत्री कक्षा दसवीं के छात्र पंकज कुमार का छात्र नेतृत्व अच्छा रहा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की शिक्षिका डॉ संध्या रानी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपविकास आयुक्त के साथ-साथ बीपीओ राहुल कुमार, बीआरपी सदाब अख्तर, विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक अक्षयवट दयाल सिंह, विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंदुरिया, चतरा प्रखंड रिसोर्स शिक्षक राम विनय पाठक, समाज सेवी रामनाथ यादव, समाज सेवी रंजीत सिंह, सांसद प्रतिनिधि प्रभु सिंह, समाज सेवी इंद्रदेव राणा और समाजसेवी, दुलेश्वर साव और मुख्य रूप से मंचासीन रहे। इस अवसर पर अपनी सराहनीय भूमिका के साथ विद्यालय के शिक्षक शशांत कुमार(प्रप्रअ), विकास चंद्र पटेल,बिष्णुजीत वर्मा, चंदन कुमार रवि, विश्वजीत घोष, संजय कुमार सिंदुरिया, शमीम जेया, डॉ संध्या रानी, सौरभ कुमार के साथ अध्यक्ष अनिल कुमार संयोजिका उषा देवी और सीआरपी अशोक कुमार राम कार्यक्रम के अंत तक बन रहे। सुखद अनुभूति के साथ पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

झारखंड में अगले तीन दिन तक चलेगी शीतलहर

रांची समेत 17 जिलों में अलर्ट जारी, कांके में पहाड़ों जैसी ठंड

संवाददाता

रांची: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के 12 जिलों में अगले तीन दिन ठंड का पूवार्नुमान जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया। आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार, गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, चतरा, हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा, रांची, खूंटी और बोकारो के लिए यह अलर्ट जारी किया गया है। इसके अनुसार, इन जिलों में बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे से शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक ठंड का प्रभाव रहने की संभावना है।

तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, नौ जिलों में शीतलहर की स्थिति जारी है, जहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। बोकारो, कोडरमा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़ और सिमडेगा में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

27 दिसंबर तक कड़ाके की ठंड का अलर्ट

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा, झारखंड के निचले क्षोभमंडल में उत्तर-पश्चिम से पश्चिम की ओर हवाएं चल रही हैं। उत्तर-पश्चिमी और मध्य के कुछ जिलों में ठंड का प्रभाव जारी रहने की संभावना है और यह स्थिति 27 दिसंबर तक बनी रह सकती है।'' उन्होंने बताया कि अगले तीन दिन में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आ सकती है, इसके बाद अगले दो दिन तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। अभिषेक आनंद ने कम दृश्यता के कारण सुबह के समय यात्रा करते समय सावधानी बरतने की सलाह भी दी।

गुमला में 4 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरा पारा

बुलेटिन के अनुसार, गुमला में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो राज्य में सबसे कम रहा। इसके बाद डालटनगंज में 6.1 डिग्री और हजारीबाग व लोहरदगा में 7.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसमें कहा गया है कि रांची में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस, चाईबासा में 11.6 डिग्री और जमशेदपुर में 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

रांची यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रो-वीसी डॉ वेद प्रकाश शरण का निधन

संवाददाता

रांची : शिक्षा जगत से बुरी खबर सामने आ रही है। रांची यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी, शिक्षाविद और वरिष्ठ पत्रकार प्रो. डॉ वेद प्रकाश शरण का निधन हो गया ह । 80 वर्षीय वेद प्रकाश ने बुधवार तड़के तीन बजे रांची के क्यूरेस्टा अस्पताल में अंतिम सांस ली ।

जानकारी के अनुसार, वेद प्रकाश को किडनी संबंधी बीमारी थी और लंबे समय से उनका इलाज चल रहा था । पूर्व वीसी के निधन की खबर से पत्रकारिता, शिक्षा और राजनीति गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई है ।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शोक जताया

प्रो. वेद प्रकाश के निधन पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शोक व्यक्त किया है । उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद् और रांची विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोइ्रवाइस चांसलर प्रो. डॉ. वेद प्रकाश शरण के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है । पत्रकारिता, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा । ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दें । विनम्र श्रद्धांजलि ।

शिक्षा, पत्रकारिता और राजनीति में डॉ. वेद का योगदान अविस्मरणीय

प्रो. डॉ. वेद प्रकाश शरण का शैक्षणिक जीवन अत्यंत समृद्ध रहा. उन्होंने रांची विश्वविद्यालय में प्रो वीसी के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई । इससे पहले वे संट जेवियर्स कॉलेज, रांची में पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट के एचओडी थे । इसके साथ ही उन्होंने लंबे समय तक कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के निदेशक के रूप में भी सेवाएं दीं ।

आर्मी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वार्षिकोत्सव कैलाइडोस्कोप

मेट्रो रेज

रांची: आर्मी पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कैलाइडोस्कोप-2025 का आयोजन दिनांक 23 एवं 24 दिसंबर को बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ कैंटोनमेंट सभागार, दीपाटोली कैंट में किया गया।

वार्षिकोत्सव के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर राजकुमार, सेना मेडल, डीडी जीओसी-इन-सी, 23 इन्फैंट्री डिवीजन उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल अरुण सिंह मान, जीओसी, 23 इन्फैंट्री डिवीजन एवं रेणु अग्रवाल सिंह मान उपस्थित रहीं। विद्यालय के प्राचार्य अक्षय कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वहीं दूसरे दिन के मुख्य अतिथि मेजर जनरल संजय सिंह मान, जीओसी, 23 इन्फैंट्री डिवीजन एवं पैटर्न आर्मी पब्लिक स्कूल दीपाटोली रहे। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकगण एवं अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दूसरे दिन के कार्यक्रमों में नृत्य, नाटक एवं संगीत की प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। विद्यार्थियों ने भारत की गौरवशाली इतिहास यात्रा को दर्शाते हुए 1857 की क्रांति से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक की गाथा प्रस्तुत की। इसके बाद 1947 से 1970, 1980 से 2000 तथा 2000 से 2025 तक के भारत की प्रगति को नृत्य-नाटिका के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा एनाइट विथ मैजिक एंड माइथ एवं 2050 के भारत की परिकल्पना, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सारोजिनी सुदन को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय से जुड़े रहने एवं बच्चों को सही मार्गदर्शन देने की अपील की।

अंत में विद्यालय के प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इसके साथ ही दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

राज्यपाल ने अटल बिहारी को दी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज

रांची: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर लोक भवन स्थित दरबार हॉल में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि अटल जी के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उनके आदर्श एवं विचार सदैव सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।

पेसा नियमावली स्वीकृत किए जाने पर कांग्रेस भवन में मना जश्न

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बधाई के पात्र: सुबोधकांत सहाय

मेट्रो रेज

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हुई राज्य मंत्री परिषद की बैठक में पेसा नियमावली के गठन को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जश्न मनाया।

इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने नगाड़े की थाप पर खुशियों का इजहार किया। मौके पर श्री सहाय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने झारखंडी अभिरुचि के अनुरूप आदिवासी समुदाय और विशेष कर ग्राम सभा को सशक्त करने की दिशा में ठोस पहल की है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार जनहित में कई उल्लेखनीय कार्यों को धरातल पर उतरने में सफल रही है। उनके नेतृत्व में झारखंड तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में कांके के विधायक सुरेश बैठा, रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा, आलोक दुबे, अंगद, प्रखंड अध्यक्ष एतवा उरांव, ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार, नामकुम प्रखंड अध्यक्ष विजय टोप्पो, रीता चौधरी, विजय शंकर नायक, कमिश्नर मुंडा, सुल्तान मलिक सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

सनातन एकता मंच ने मनाया तुलसी दिवस

रांची: सनातन एकता मंच द्वारा आज प्राचीन श्रीराम मन्दिर चुटिया, राँची मे तुलसी पूजन कर तुलसी दिवस मनाया गया। सभी सनातनी समाज को ब्रजेश सिंह ने ये संदेश देते हुए कहा कि आज के इस कलयुग मे आप अपने बच्चों को संस्कार दे, उन्हें मन्दिर ले कर जाए और अपने धर्म/संस्कृति का ज्ञान अपने छोटे बच्चों को अवश्य दे ताकि वही बड़े हो कर भटके नहीं, छोटी उम्र में अगर आप अपने बच्चों को संस्कार देंगें तभी वे गलत दिशा मे ना जाकर,एक सभ्य इंसान बन पाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सनातन एकता मंच के अध्यक्ष रोहित सनातनी, भीम शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, विकाश सिन्हा,देव प्रकाश, अनील कुमार, महाबीर , अनुराग , आशीष उपस्थित हुए।

निकाय चुनाव: दो से अधिक बच्चे वाले उम्मीदवार अयोग्य, राज्य निर्वाचन आयोग का सख्त निर्देश

संवाददाता

रांची: झारखंड में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग के अनुसार नगर निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चे वाले उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। प्रत्येक प्रत्याशी को नामांकन के समय शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा, जिसमें यह घोषणा करनी होगी कि निर्धारित कट-ऑफ तिथि तक उनके दो से अधिक बच्चे नहीं हैं।

इस प्रावधान का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि इस संबंध में नगर विकास विभाग द्वारा पूर्व में जारी पत्र को आधार मानते हुए जिलों को कारर्वाई करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नामांकन के दौरान शपथ पत्र की जांच की जाएगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। चुनावी तैयारियों की जानकारी देते हुए आयोग के सचिव ने बताया कि सभी जिलों में वाडरं के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस संबंध में आयोग को लगातार रिपोर्ट प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही चुनाव की अद्यतन तैयारियों की समीक्षा के लिए सभी जिलों के उपायुक्त (डीसी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रह जाए। इस बीच वाड ̍आरक्षण को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद आयोग ने एक अहम स्पष्टीकरण भी जारी किया है। यदि किसी प्रत्याशी को आरक्षण के कारण अपने वाड ̍से चुनाव लड़ने का अवसर नहीं मिल पा रहा है, तो उसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। वह नगर निकाय के किसी अन्य वाड ̍से भी चुनाव लड़ सकता है, बशर्ते उस वाड ̍में लागू आरक्षण नियमों का पालन किया जाए।

प्रसाद ने बताया कि महापौर, नगर परिषद अध्यक्ष और वाड ̍सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने वाले सभी अभ्यर्थियों के लिए योग्यता संबंधी दिशा-निर्देश तय कर दिए गए हैं। इसके तहत प्रत्याशी का संबंधित नगर निकाय का मतदाता होना अनिवार्य होगा। हालांकि, नगर निकाय की मतदाता सूची में शामिल कोई भी व्यक्ति उस निकाय के किसी भी वाड ̍से चुनाव लड़ सकता है, लेकिन आरक्षण नियमों का अनुपालन जरूरी होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार नगर निकाय चुनाव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और लक्ष्य फरवरी महीने में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना है। आयोग ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा भी की जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।

कमरा नं० 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com
फोन नं० – 0651–3512781
पत्रांक................/ राँची, दिनांक ..../......../2025

शुद्धि–पत्र

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक– 911 दिनांक–16.12.2025 द्वारा e-Tender Reference No. WRD/MID/04/BD/(SLI) 2025-26, PR 368836 (Minor Irrigation)25-26*D दिनांक 18.12.2025 को प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित निविदा का तिथि एवं समय	संशोधित निविदा का तिथि एवं समय
1	Date of Publication of Tender on website	Date: 24.12.2025 up to 2.00 pm	30.12.2025 up to 2.00 pm
2	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	Date: 30.12.2025 up to 2:00 pm	05.01.2026 up to 2:00 pm
3	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date:- 24.12.2025 up to 2:00 pm Last Date:- 30.12.2025 Time:- 2:00 pm	Start Date:- 30.12.2025 up to 2:00 pm Last Date:- 05.01.2026 Time:- 2:00 PM
4	Technical Bid Opening Date	Date: 31.12.2025 at 5:00 pm	06.01.2026 at 5:00 pm

निविदा की शेष सभी शर्तें पूर्वत: बनी रहेगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।

PR 369381 Minor Irrigation(25-26)D

कार्यालय, विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल धुर्वा, राँची।

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं०– Energy/EWD/Ranchi/89/2025-26 दिनांक–24/12/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	कॉके रोड, राँची स्थित माननीय मुख्य मंत्री आवास एवं मुख्य मंत्री सचिवालय में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, पंखा, सुरक्षा लाईट, भूमिगत केबल, एल0 टी0 पैनल, कम्पाउण्ड लाईट इत्यादि के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	28,76,551=00	5,000=00	58,000=00	एक वर्ष
II	एफ0 एफ0 पी0 भवन (100 भवन) में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, एवं 2 अदद् 200 के0 वी0ए0 जनित्र एवं 2 अदद् लिफ्ट के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	34,55,559=00	5,000=00	70,000=00	एक वर्ष
III	योजना भवन, नेपाल हाउस, डोरण्डा, राँची में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, पंखा, एल0 ई0 डी0 फ्लड लाईट, भूमिगत केबल, पैनल, जेनरेटर (2 अदद् 250 के0वी0ए0) एवं 4 अदद् लिफ्ट के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	43,52,922=00	5,000=00	88,000=00	एक वर्ष
IV	विधायक आवास, रसियन हॉस्टल, एच0ई0सी0 धुर्वा राँची में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, कम्पाउण्ड लाईट, गेट लाईट, हाई मास्ट लाईट एवं रोड लाईट के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	15,60,579=00	5,000=00	32,000=00	एक वर्ष
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	31.12.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	01.01.2026 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 07.01.2026 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	08.01.2026 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069 / electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.

निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।

PR.NO.369389 Energy(25-26):D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

अरावली में रोकें खनन

पर्वतमालाएं किसी भी देश की प्रहरी और सुरक्षा-कवच होती हैं। उन्हें क्यों खोदा और छीला जाए? खनिज माफिया कहीं और खुदाई करके मुनाफा कमा सकता है। कमोबेश उसे तो छोड़ दिया जाए, जो इनसानी अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति की अनुशंसाएं मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म-वाक्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसलों पर पुनर्विचार करती आई है, लिहाजा अरावली पहाड़ियों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाड़ियां लावारिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नंबर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है! अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692 किमी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। यह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन-आंदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राज्यों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाड़ियां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों की कितनी भयावह, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दहशत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतीली हवाओं में घिर जाएंगे। धीरे-धीरे रेत के पहाड़ आकार लेंगे और रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तक भी फैल जाएगा। राजस्थान का काफी हिस्सा आज ही मरुस्थल है। खनन और वनों की कटाई बढ़ी, तो दिल्ली-एनसीआर में पीएम 10 और पीएम 2.5 सरीखे प्रदूषण के कण बहुत तेजी से बढ़ेंगे। नतीजतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाश्वत रूप से गंभीर या अत्यंत खतरनाक श्रेणी में ही रहेंगे। आज राजधानी क्षेत्र के निवासी गर्मियों में 48-50 डिग्री सेल्सियस तापमान झेल कर ही बिलबिलाने लगते हैं। मरुस्थलीय स्थितियों में तापमान बढ़ेगा और प्राकृतिक ठंडक खत्म हो जाएगी, तो क्या होगा? राजधानी क्षेत्र हमेशा धुंध-कोहरे में घिरा रहेगा, तो कैसा महसूस करेंगे? अरावली पर्वतमाला अपनी ऊंचाई के कारण प्राकृतिक रूप से धूल-अवरोधक है, जो थार मरुस्थल और उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक दीवार का काम करती है।

मॉनसून की हवाओं को रोक कर बारिश कराती है, लिहाजा पर्वतमाला को छिन्न-भिन्न करने से हरियाणा और राजस्थान में अकाल की नौबत भी आ सकती है। वह दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में भी खाद्य-संकट पैदा कर सकती है। तो अरावली में खनन, खुदाई क्यों की जाए? हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का बयान है कि खनन अरावली पर्वतमाला के पूरे क्षेत्र के मात्र 0.19 फीसदी भाग में ही होता है। राजधानी दिल्ली में खनन की कोई भी अनुमति नहीं है, लेकिन फरीदाबाद और गुरुग्राम के जंगलात में जाकर मंत्री जी ने कभी जायजा लिया है। हरियाणा में भिवानी जिले के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के एक गांव-खानक-का एक दृश्य सामने आया है। उस छोटे से गांव में हर 100 कदम पर 300 क्रशर मशीनें पहाड़ियां खोद रही हैं। वहां 150 से अधिक खनन साइट हैं, जहां हर वक्त 500 से अधिक डंपर मौजूद रहते हैं। गांव में करीब 1500 घर हैं। हरेक के घर की दीवारों में या तो दरारें आ गई हैं अथवा प्लास्टर उधड़ चुके हैं। क्या खनन की इजाजत इसलिए दी जाती रही है कि पहाड़ियां से बेशकीमती खनिज निकलते हैं और माफिया अमीर होता चला जाता है? अरावली पर्वतमाला के औसतन प्रत्येक हेक्टेयर में 20 लाख लीटर भू-जल पुनः भरने की अपार क्षमता है। कल्पना कीजिए, जब पानी ही नहीं होगा, तो क्या खेती करेंगे और क्या पीएंगे? अरावली को काटने-छांटने से एक दिन ऐसा होगा कि बनास, लूणी, साहिबी जैसी अरावली की नदियां ही सूख जाएंगी। तेंदुआ, भेड़िया, सियार जैसे जंगली जानवर और असंख्य वनस्पतियां भी विलुप्ति के कगार पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री और मंत्री जी! आप के जिम्मे अभी बहुत से काम हैं। अरावली आपके घोषणा-पत्र का एजेंडा भी नहीं है। कृपया इसे बख्श दें अथवा जन-आंदोलन का सामना करें। प्रकृति का संरक्षण सरकार का पहला कर्तव्य है। हालांकि सामूहिक समाज की जिम्मेवारी भी है कि वह प्रकृति का विनाश न होने दे और अपनी भूमिका निभाए।

पंचायतों के बढ़ते दायरे

प्रगति, विकास और स्थानीय स्वशासन की बागडोर में नए संकल्प और सुधार लाने की जरूरत से पंचायती राज संस्थाओं के दायरे में परिवर्तन आ रहा है। हालांकि परिवर्तन का परिणाम छोटा है, फिर भी मकसद की शर्त पर कुछ कसौटियां तय हो रही हैं। सोलन और ऊना में छह नई पंचायतों का गठन सिर्फ चुनाव के नए दायरे नहीं, बल्कि नए क्षितिज की तलाशी भी है। इन दोनों जिलों में कई पंचायतें पूरी तरह औद्योगिक रूप से चिन्हित हैं और इसी के परिप्रेक्ष्य में नई पंचायतों का वजूद भी आर्थिक व राजनीतिक निवेश को आमंत्रण दे रहा है। हिमाचल की भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक स्थिति के बीच स्थानीय निकायों की बनावट व चुनावी लिखावट का एक खास मुकाम है। इसी संदर्भ में नई पंचायतों के अलावा 31 का पुनर्गठन अपने संकेतों से प्रदर्शित है। हालांकि एक सीमित परिदृश्य में पंचायती राज संस्थाओं के दायरे बदले जा रहे हैं, फिर भी इस प्रक्रिया के मुकम्मल होने के बाद ही चुनावी माहौल बाहर आएगा। हिमाचल की छोटी-बड़ी चुनावी कसरतें अपनी शुरूआत में गांवों की परिक्रमा करती हैं और यही दस्तूर सियासी दलों के लिए साहसिक हो जाता है। पूरा महकमा छह नई पंचायतों के गठन से औद्योगिक शहरों की फैलती सूरत देख रहा है, जबकि प्रदेश में शहरीकरण के फैलाव ने टीसीपी कानून के दरवाजे पर दस्तक देनी शुरू की है। भले ही धर्मशाला-शिमला के नगर निगमों की शहरी गणना के बाद मंडी, सोलन, पालमपुर और अब हमीरपुर-ऊना की शहरी तस्वीर में कई पंचायतें दाखिल हो चुकी हैं, लेकिन पंचायतों में घुसे शहरों को व्यवस्थित करने के लिए कहीं ग्रामीण क्षेत्रों का वजन घटाना पड़ेगा, तो कहीं स्थानीय निकायों के पुनगर्ठन में कुछ पंचायतों का लेबल हटाना पड़ेगा। हम चुनाव की खुराक में ग्रामीण हलकों को पुष्ट रखते हैं, जबकि शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा ग्रामीण आर्थिकी की घटती जमीन का मकसद अब नए शहरी निकाय ही पूरा करेंगे। उदाहरण के लिए प्रदेश के छावनी क्षेत्र से बाहर हो रहे क्षेत्रों को पंचायतों की जिल्द में सांस मिलेगी या इनकी व्यवस्था कि लिए शहरी निकाय को आवाज देनी होगी। योल छावनी से मुक्त हुए क्षेत्र पंचायतों के दरवाजे पर माथा रगड़ रहे हैं, जबकि आजादी के पहले से ही इन इलाकों के बाशिंदे शहरी व्यवस्था में अतिरिक्त नागरिक सुविधाएं पा रहे थे। नतीजतन योल कैंप के नागरिक क्षेत्र में कुछ ही अवधि के बाद कूड़े के ढेर, सड़ांध और बाकी सुविधाओं की शून्यता पैदा हो गई है। कायदे से यह क्षेत्र धर्मशाला नगर निगम के तहत शहरीकरण के दायरे में आ चुका है, लेकिन नागरिक चेतना (?) अब गांव में सुस्ताना चाहती है। गांव व शहर की परिभाषा के सारे मायने हिमाचल में नेताओं की मुट्ठी में बंद हैं, जहां मुफ्त की सेवाओं में नागरिक को मतदाता के रूप में देखा जाता है।

निजी क्षेत्र में वेतन असमानता व श्रम कानून

> जब तक मजदूर सुरक्षित, संतुष्ट और सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का विकास अधूरा ही रहेगा। हमें समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए अपने निजी क्षेत्र के कर्मचारियों/कामगारों को मिलने वाले पारिश्रमिक संबंधी नियमों को मानवीयता के परिप्रेक्ष्य में लागू करना होगा। तभी सार्वभौमिक विकास की अवधारणा धरातल पर साकार होगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा ।

अनुज आचार्य

किसी भी राष्ट्र की असली पहचान उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सडकों या तेज आर्थिक विकास दर से नहीं होती, बल्कि उस समाज से होती है जिसमें श्रम करने वाला व्यक्ति किस गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन जी रहा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में मजदूर, कामगार और प्राइवेट कर्मचारी केवल एक वर्ग नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की वह धुरी हैं, जिनके श्रम से उत्पादन चलता है, सेवाएं सजीव होती हैं और विकास की गाड़ी आगे बढ़ती है। विडंबना यह है कि यही वर्ग आज सबसे अधिक असमानता, उपेक्षा और शोषण का शिकार है। आज अर्थव्यवस्था के विभिन्न हिस्सों में करोड़ों लोग दिन रात अपने श्रम से अपने मालिकों और राष्ट्र के पहियों को गति प्रदान कर रहे हैं, लेकिन बदले में उन्हें मिलने वाला पारिश्रमिक या वेतन इतना मामूली है कि उससे वह मजदूर, श्रमिक या प्राइवेट अदारे में कार्यरत कर्मचारी खुद का ही पेट नहीं भर पा रहा है तो अपने परिवार को क्या खिलाएगा? दुखद सत्य यह भी है कि ऐसे कामगारों के मालिक एक नहीं बल्कि तीन और चार परिसंपत्तियां बनाकर ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं लेकिन उनकी आंखों में इतनी भी शर्म, हया और मानवता नहीं बची है कि अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक जीने लायक वेतन दें।

भारत में संगठित और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के वेतन में गहरी खाई आज भी बनी हुई है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाला मजदूर अक्सर इतनी कम मजदूरी पाता है कि वह अपनी बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पाता। पेट भर भोजन, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन, ये सब उसके लिए सपनों जैसी बातें बनी हुई हैं। ऐसे में परिवार पालना, सामाजिक जिम्मेदारियां निभाना या सुरक्षित भविष्य की योजना बनाना तो दूर की बात है। दुखद यह है कि जिन लोगों ने कभी गरीबी और अभाव का जीवन जिया था और आज सत्ता या संपन्नता के शिखर पर हैं, वे भी इस वर्ग की पीड़ा से आंखें मूंदे बैठे हैं। श्रमिक शोषण का यह यथार्थ केवल मजदूरी तक सीमित नहीं है। असुरक्षित कार्यस्थल, लंबे काम के घंटे, सामाजिक सुरक्षा का अभाव, ठेकेदारी प्रथा, स्थानीय मजदूरों का आर्थिक शोषण और समय पर भुगतान न होना, ये सब समस्याएं मजदूर के जीवन को लगातार अस्थिर बनाए रखती हैं। काम की अनिश्चितता उसके मन में भय पैदा करती है और यही भय कई बार उसे अवसाद, नशे या आत्मघाती कदमों की ओर धकेल देता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार द्वारा श्रम कानूनों में सुधार की पहल को महत्वपूर्ण माना जा सकता है। दशकों पुराने और बिखरे हुए श्रम कानूनों को समेटते हुए चार श्रम संहिताओं का गठन इस दिशा में एक बड़ा कदम है। इन संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों को अधिक व्यापक सुरक्षा प्रदान करना, सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना और असंगठित क्षेत्र को औपचारिक व्यवस्था से जोड़ना है। वेतन संहिता के माध्यम से न्यूनतम मजदूरी को सार्वभौमिक बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि यह केवल कुछ गिने-चुने रोजगारों तक सीमित न रहे। न्यूनतम मजदूरी की अवधारणा श्रमिक जीवन की बुनियाद है। हालिया वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में की गई बढ़ोतरी ने करोड़ों मजदूरों को कुछ राहत अवश्य दी है। दिहाड़ी मजदूरों की आय में प्रतिदिन बढ़ोतरी से उनके जीवनयापन में थोड़ी सहजता आई है। यह बढ़ोतरी केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उस मजदूर के लिए उम्मीद की किरण है जो रोज सुबह काम की तलाश में निकलता है। हालांकि केवल मजदूरी बढ़ा देना ही समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। असली चुनौती इन कानूनों और दरों का जमीनी स्तर पर ईमानदारी से क्रियान्वित करवाना है। आज भी कई मालिक, ठेकेदार और नियोक्ता नियमों की अनदेखी करते हैं। मजदूर अपने अधिकारों से अनभिज्ञ रहते हैं या डर के कारण शिकायत दर्ज नहीं करा पाते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह निगरानी तंत्र को मजबूत करे और श्रमिकों के लिए शिकायत प्रक्रियाओं को सरल व सुलभ बनाए। आज भी करोड़ों मजदूर दूसरों के लिए घर बनाते हैं, लेकिन खुद बेघर रहते हैं। यह स्थिति न केवल सामाजिक असंतुलन को जन्म देती है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। श्रमिकों की आय बढ़ने का प्रभाव केवल उनके परिवारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर डालता है। जब मजदूर की क्रय शक्ति बढ़ती है, तो बाजार में मांग बढ़ती है, उत्पादन में वृद्धि होती है और उद्योगों को भी दीर्घकालिक लाभ मिलता है। साथ ही, उचित वेतन और सुरक्षित वातावरण मिलने से मजदूर और कर्मचारी की कार्यक्षमता और मनोबल भी बढ़ता है। अंततः यह समझना होगा कि निजी क्षेत्र के कर्मचारी और मजदूर किसी दया के पात्र नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों के हकदार नागरिक हैं। सरकार, उद्योग, समाज और हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि श्रमिकों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि इनसान के रूप में देखें। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सम्मानजनक मजदूरी, ये सभी उनके अधिकार हैं, कोई एहसान नहीं। जब तक मजदूर सुरक्षित, संतुष्ट और सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का विकास अधूरा ही रहेगा। हमें समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए अपने निजी क्षेत्र के कर्मचारियों/कामगारों को मिलने वाले पारिश्रमिक संबंधी नियमों को मानवीयता के परिप्रेक्ष्य में लागू करना होगा। तभी सार्वभौमिक विकास की अवधारणा धरातल पर साकार होगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा। विकास की असली नींव ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि मजदूरों के पसीने से सींची गई मेहनत है।

स्वस्थ जीवन के लिए सतत जरूरी है ध्यान

> जगत में परिव्याप्त अनेक बुराइयों, कठिनाइयों व संघर्षजन्य कष्टों के मध्य अविचलित होकर स्थिर रहने तथा लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निरंतर उन्मुख होने की जीवनशक्ति का निर्माण ध्यान के अगणित आत्मतत्त्वों से ही होता है ।

विकेश कुमार बडोला

गत 21 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस व्यतीत हुआ, किंतु दुर्भाग्य है अथवा दुनिया की आधुनिक भागमभाग, जो यहां-वहां किसी को भी उक्त दिवस का ध्यान नहीं आया। बीते इक्कीस दिसंबर को द्वितीय ध्यान दिवस था। कुछ वर्ष पूर्व भारत के आग्रह पर महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाना आरंभ किया था। इस प्रकार भारतीय आवाह्न पर दो महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दिवसों का आयोजन हमारे देश के लिए गर्व का विषय है। ध्यान मानवीय जीवन में एक दिन, घंटा, प्रहर अथवा किसी समयावधि की सीमा में बंधने के लिए नियत नहीं है। यह जीवनपर्यंत चलने वाली बौद्धिक, मानसिक तथा आत्मिक प्रक्रिया है। अतः ध्याननिष्ठ होने के लिए केवल एक तिथि ही पर्याप्त नहीं। हिंदू मान्यता के अनुसार जीवित एवं श्वास प्रति श्वास ग्रहण कर रहे व्यक्ति का प्रथम आत्मिक ध्यान उस सर्वशक्तिमान सत्ता के प्रति उत्पन्न होता है, जिसने उसका तन-मन-आत्मा का निर्माण किया है। अतः ध्यान में जो प्रथम मंत्रोच्चार होता है, वह ओउम भूर्भवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात है। इस मंत्र द्वारा मनुष्य अपने एक स्वस्थ जीवित अस्तित्व के लिए ईश्वर से लेकर ईश्वर द्वारा निर्मित पंचतत्त्वों सहित समस्त प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष तत्त्वों तथा शक्तियों के प्रति नतमस्तक होता है। उनके प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करता है।

अपने होने, जीवित रहने, अस्तित्व के साथ विवेकवान व विचारवान होने के लिए प्रथम तो ईश्वर का तथा द्वितीय ईश्वर द्वारा रचित समस्त ब्रह्माण्ड को धन्यभाव ज्ञापित करता है। इस प्रकार मनुष्य अपनी भौतिक, भाविक व आर्थिक स्थिति के लिए उस शक्तिनियंता के प्रति श्रद्धा प्रकट करता है, जो अदृश्य रहकर एक प्रमुख प्रबंधक-नियंत्रक के रूप में संसार को संभालता है। मनुष्य के स्तर पर बुद्धिमान, विवेकवान तथा सर्वगुणसंपन्न होने के लिए यह दैनिक अभ्यास अत्यंत अनिवार्य है। ध्यान का ऐसा विलक्षण कार्य धरती पर उपस्थित सभी जीवों में से केवल और केवल मनुष्य ही कर सकता है। आज जब धरती पर मत-मतांतरों के कारण मनुष्यों के मध्य अनेक अशुभकारी प्रतियोगिताएं होने लगी हैं तथा दिनोंदिन इनमें वृद्धि हो रही है, तब ध्यान का पौराणिक व प्राकृतिक औचित्य विचारों में उत्पन्न होता है। ध्यान शब्द तथा इसका असीमित भाव-विचार मनुष्य को इष्टतम मानुषिक गुणों से संयुक्त करता है। मानव को महामानव बनाने के लिए सर्वव्यापक, सार्वभौमिक तथा सर्वशक्तिमान अस्तित्व ने जिस वैचारिक गुण की उत्पत्ति की है, वह ध्यान है। ध्यान अपरिमित है। यह ऐसी ऊर्जा है, जो कायायुक्त मानव को जीवित रहते हुए ही कायामुक्ति का अनुभव कराती है। ध्यानी व्यक्ति प्रतिदिन अपने सद्गुणों का उन्नयन करता है। ध्यानयुक्त होकर मनुष्य अपने सत्त्वों में गुणात्मक वृद्धि करता है। कालांतर से पृथ्वी पर मनुष्यों के मध्य अनेक स्तरीय संघर्ष होते रहे हैं। परिणामस्वरूप विचार से लेकर जीवन जीने की अनेक शैलियों तक की भिन्नताओं के कारण बौद्धिक एवं बाहु युद्ध होते रहे हैं। वर्तमान में यह स्थिति विज्ञान एवं आधुनिकता के वशीभूत होकर सर्वाधिक संकटजन्य बनी हुई है। जीवन में उपस्थित मानवों के मध्य ऐसी वैचारिक तथा जैविक भिन्नता के बाद ही विश्व में विभिन्न देशों, भाषाओं, भोजन पद्धतियों एवं जीवन शैलियों की उत्पत्ति हुई। मतांतरों के कारण ईश्वर तथा उसके सिद्धांतों में भी अंतर उत्पन्न कर दिया गया। फलतः जितने देश हैं, उतनी ही ईश्वरीय मान्यताएं बन गईं।

उतने ही मत प्रसारित होते गए। ऐसी स्थिति में मनुष्य अपने तन-मन की मूल प्रकृति से पृथक होता चला गया। मनुष्यों के मध्य ही उपस्थित रहे, वर्तमान में उपस्थित अनेक वैज्ञानिकों ने अपने कृत्रिम वैज्ञानिक प्रयोगों के कारण सदैव प्रकृति तत्त्वों तथा उनकी जीवनसम्मत प्रणालियों की उपेक्षा की है। समयांतर में इसके व्यापक दुष्परिणाम हुए, होते रहे तथा अब भी हो रहे हैं। मानव समाज में जब मानव के अस्तित्व को पंचतत्त्वों की निर्धारित प्राकृतिक सीमा से आगे प्रायोगिक बनाया जाएगा, तो उसके प्रतिकूल व जीवनघाती दुष्परिणाम ही उभरेंगे। कोरोना विषाणुओं के उत्सर्जन के रूप में मानव जाति ने ऐसे दुष्परिणाम की पराकाष्ठा का साक्षात्कार किया है। करोड़ों लोग असमय ही मृत्यु के मुख में समा गए। किंतु वैज्ञानिकों के पास उनके प्राणों की रक्षा के लिए कोई आधुनिक उपचार नहीं था। इक्कीसवीं सहस्त्राब्दि में ध्यान की प्रथम शिक्षा यही है कि मनुष्य अपनी कायिक-बौद्धिक क्षमता का संवर्द्धन केवल और केवल प्राकृतिक व पांचतात्त्विक स्वरूप में रहकर ही कर सकता है। वैज्ञानिकता तथा आधुनिकता पर अंधविश्वास करके अभी तक मानव को अपनी काया के लिए कोई चमत्कारिक लाभ नहीं हुआ है। विश्व के सबसे धनी व्यक्ति जो आधुनिकता व वैज्ञानिकता के कारण निर्मित सर्वाधिक मूल्यवान वस्तुओं एवं सेवाओं का उपभोग करने में पूर्णतः सक्षम हैं, उनकी आयु में भी वृद्धि नहीं हुई है। वे भी स्वस्थ होकर दीर्घजीवी नहीं बन सके हैं। रोग-व्याधियों से मुक्त नहीं हो सके हैं। उनमें भी तन-मन के रोग फैले हुए हैं। जबकि इनके विपरीत जो अज्ञात, अप्रसिद्ध, निर्धन तथा संसाधनहीन सच्चे साधु-संत हैं, वे ईश्वर द्वारा निर्मित प्रकृति तथा इसके नियमों का अनुसरण करते हुए न केवल स्वास्थ्य संपूर्णता के साथ दीर्घजीवी होते हैं, अपितु मृत्युपर्यंत ध्यान की गहनता में स्थिर होकर अपने जीवन, अपने जीवित रहने का इष्टतम ध्येय ढूंढ लेते हैं।

इस उपलब्धि पर जो परमानंद जो आत्संतोष उन्हें प्राप्त होता है, वह जीवन जीने का सर्वोत्तम प्रसाद है। उनके ऐसे होने-जीने से ज्ञात होता है कि यह सब ध्यान का प्रतिफल है। अतः ध्यान की महिमा असीमित है। इसका प्रतिफल सर्वश्रेष्ठ है। इसमें मनुष्य की मौलिकता, नैतिकता, नवीनता और व्यक्तित्व की श्रेष्ठता समाहित है। संसार की साधारण गतिविधियों को निःस्वार्थ व निमोर्ही होकर ग्रहण करके जीवन में संतोष के बिंदु पर स्थिर होना ही ध्यान है। ध्यान व्यक्ति को अंतर्यात्रा करवाता है। यह व्यक्ति की एकल आंतरिक यात्रा है। इस यात्रा के विविध अनुभव ही उसे वह व्यक्तित्व प्रदान करते हैं, जो एक पूर्णरूपेण आदर्श होता है। ध्यान के प्रवाह में भौतिक व बाहरी जगत शून्य हो जाता है। इस आध्यात्मिक युक्ति द्वारा व्यक्ति स्वयं का इष्टतम बौद्धिक-मानसिक उपचार करता है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति के अहम, स्व, मैं व मेरे के साधारण भाव विराट कर्तव्य बोध में रूपांतरित होने लगते हैं। ध्यान की गहनता में स्थिर होकर व्यक्ति व्यक्तिगत दोषों को स्पष्ट देखता है, उन्हें स्वीकार करता है तथा उन्हें समाप्त करने का संकल्प करता है।

ध्यान एक आंतरिक एकांत है। इसमें अंतर्मन की स्थिति मनुष्य को हरसंभव विधि से वही विचार व भाव अपनाने की शिक्षा देती है, जो मानव कल्याण के लिए अभीष्ट है। मन में एक शांत विश्राम ग्रहण कर श्वास-निःश्वास पर केंद्रित होना ध्यान का आरंभिक चरण है। यदि यह अवस्था दीर्घावधि तक रहती है तो निश्चित रूप में मनुष्य का तन-मन व आत्मा आश्चर्यजनक ढंग से बलवान होने लगते हैं। विचारों एवं भावनाओं में सकारात्मकता, आशा व नवीन ऊर्जा का संचार होने लगता है। जैसे-जैसे ध्यान का विस्तार होता जाता है, उसी अनुपात में आत्मविश्वास एवं आत्मचेतना विकसित होने लगती है। जगत में परिव्याप्त अनेक बुराइयों, कठिनाइयों व संघर्षजन्य कष्टों के मध्य अविचलित होकर स्थिर रहने तथा लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निरंतर उन्मुख होने की जीवनशक्ति का निर्माण ध्यान के अगणित आत्मतत्त्वों से ही होता है। वर्षों तक ध्यानस्थ रहने-होने का अभ्यास मनुष्य को न केवल स्वयं के लिए, अपितु अन्य मनुष्यों व समाज के लिए भी उपयोगी बनाता है। कल्पना करते हैं कि यदि संसार के अधि से भी अधिसंख्य मनुष्यगण ध्यानाभ्यास करें तो मनुष्यों का समग्र सांसारिक जीवन कितने आनंद व कितनी समृद्धि से भर जाएगा!

शारीरिक बुद्धिमता

ओशो

चिंतन-मनन

मैं **पिछले** दस वर्षों से बार-बार बीमार पड़ता हूं। मेरे विचार से मैं अपने शरीर से ज्यादा तेज चल रहा हूं। मेरा अनुमान है कि मैं अपने केंद्र से हट जाता हूं और तब शरीर प्रभावित होता है। तुम्हारी समझ सही रास्ते पर है। सबको अपने शरीर के कार्य के बारे में समझना है। अगर तुम अपने शरीर की सहन शक्ति से ज्यादा कुछ करते हो, जल्दी ही या कुछ समय बाद तुम अस्वस्थ हो जाओगे। एक निश्चित सीमा है जहां तक तुम शरीर को इसके खिलाफ खींच सकते हो, लेकिन यह हमेशा नहीं चल सकता। तुम बहुत ज्यादा काम कर रहे होंगे, यह और लोगों को बहुत ज्यादा भी नहीं लगता होगा, लेकिन यह सवाल नहीं है। तुम्हारा शरीर उतना सहन नहीं कर सकता, इसे विश्राम चाहिए।

और इसका कुल परिणाम उतना ही होगा। बजाय इसके की दो या तीन हफ्ते काम करके फिर दो तीन हफ्ते आराम करो, पूरे छह हफ्ते काम करो और काम को आधा कम कर दो,साधारण गणित। यह बहुत खतरनाक है क्योंकि यह शरीर में कई नाजुक चीजों को नष्ट कर सकता है, लगातार बहुत ज्यादा काम करना और फिर थकना और बिस्तर पर पड़ जाना और इस सब के बारे में बुरा अनुभव करना। अपनी गति कम करो, धीरे चलो और इसको सब तरह से करो। उदाहरण के लिए जिस तरह से तुम चलते हो वैसे चलना बंद करो। धीमे चलो, धीमे स्वांस लो, धीमे बोलो। धीमे खाओ अगर तुम अकसर बीस मिनट लेते हो तो चालीस मिनट लो। अपना स्नान धीरे करो अगर तुम अकसर दस मिनट लेते हो तो बीस मिनट लो। सारी की सारी गतिविधियों की गति आधी तक कम कर देनी चाहिए।

यह केवल तुम्हारे व्यावसायिक कार्य का सवाल नहीं है। सारे चौबीस घंटों को कम करना है, गति को वापस कम से कम पर, आधी पर लाना है। यह तुम्हारे सारे जीवन के ढांचे और आदतों का परिवर्तन होगा। धीमें बोलो, यहां तक की पढ़ो भी धीमेपन से, क्योंकि मन सब चीजों को एक ही तरह से करना चाहता है। एक आदमी जो बहुत ज्यादा सक्रिय है तेजी से पढ़ेगा, तेजी से बोलेगा, तेजी से खाएगा, यह एक सनक है। जो कुछ भी वह कर रहा है, वह तेजी से करेगा, चाहे जरूरत न भी हो। चाहे वह सुबह घूमने गया हो, वह तेजी से जाएगा। कहीं जा नहीं रहा है यह सिर्फ घूमना है और तुम दो मील जाते हो या तीन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

आपके पत्र

नागरिक चेतना से बचेगी प्रकृति

पर्यावरण संरक्षण की बहस अक्सर एक सुविधाजनक दिशा में मोड़ दी जाती है- सरकारें नीतियां नहीं बनातीं, मंत्रालय निष्क्रिय हैं, कानून कागजों तक सीमित हैं। यह आलोचना पूरी तरह गलत नहीं है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर पर्यावरण मंत्रालयों का रिकॉर्ड देखें तो विकास परियोजनाओं के सामने प्रकृति अक्सर सबसे पहले बलि चढ़ती दिखती है।

जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, जहरीली हवा और भूजल का संकट- इन सबके लिए नीतिगत विफलता जिम्मेदार है। पर यह अधूरा सच है। पूरा सच यह है कि पर्यावरण संकट की जड़ें हमारी अपनी जीवन-शैली में गहरी धंसी हुई हैं। हमने पर्यावरण को सरकार का विषय मान लिया है, जैसे वह नागरिक जीवन से अलग कोई विभागीय फाइल हो। नागरिक चेतना जरूरी है।

संगीता चौधरी,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

संथाल क्लब की ओर से तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

साहिबगंज : उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत सिमलजोड़ी गांव में बुधवार को सोना संथाल क्लब की ओर से तीन दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार पहले दिन बुधवार को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली,उपाध्यक्ष सह पंचायत मुखिया भैय्या किस्कू,पंचायत अध्यक्ष मंगल मरांडी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर फुटबॉल टूनामेंट का शुभारंभ किया। इस दौरान सोना संथाल क्लब के अध्यक्ष मंगल मरांडी ने बताया कि फुटबॉल टूनामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। जिसमें पहला दिन 8 टीमों के बीच फुटबॉल टूनामेंट खेला जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि शुक्रवार को फुटबॉल टूनामेंट का फाइनल मुकाबला होगा। साथ ही महिला फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया है। जिसमें पश्चिम बंगाल, पाकुड़, साहेबगंज, कल्याणचक सहित अन्य क्षेत्रों के टीम भाग लेंगे। मौके पर कमिटी के सचिव मालिक सोरेन, कोषाध्यक्ष प्राधना किस्कू, ग्राम प्रधान शितल मुर्मू, बजून सोरेन, बेटा मरांडी, सुमय सोरेन, सिदो सोरेन, साहेब राम मुर्मू, शमशाद आलम, मुस्तफा शेख सहित अन्य मौजूद थे।

ठंड को देखते हुए प्रशासन ने की अलाव की व्यवस्था

साहिबगंज/उधवा : पिछले कई दिनों से उधवा प्रखंड क्षेत्र में पड़ रही कड़ाके की ठंड और कनकनी के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। सुबह और शाम के समय ठंडी हवा व कनकनी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, खासकर गरीब, बुजुर्ग, दिहाड़ी मजदूर और राहगीर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने राहत की पहल शुरू की है। बुधवार को प्रखंड प्रशासन की ओर से उधवा चौक पर अलाव की व्यवस्था कराई गई। जानकारी के अनुसार बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी के निर्देश पर उधवा चौक के पास अलाव जलवाया गया, जिससे राहगीरों, दुकानदारों और जरूरतमंद लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि अलाव की व्यवस्था से ठंड में काफी सहूलियत मिल रही है। वहीं प्रशासन की ओर से यह भी बताया गया कि ठंड की स्थिति को देखते हुए आगे भी आवश्यक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था जारी रहेगी।

निधन पर सांसद ने दिया ढांढस

साहिबगंज : राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा ने साहिबगंज में झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के आवास पर जाकर उनके चचेरे भाई के निधन पर परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। सांसद के साथ झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह जिला उपाध्यक्ष संजीव शामु हेम्ब्रम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

औषधि रसायन विज्ञान और ड्रग डिजाइन की पारंपरिक आधुनिक विधियों पर प्रकाश डाला गया

साहिबगंज : कॉलेज के रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं अकादमिक डीन इंचार्ज डॉ.अनिल कुमार ने बी.एन.मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डिजाइन एंड मेडिसिनल केमिस्ट्रीह्व में आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन वर्चुअल माध्यम से प्रस्तुत किया।इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री मधेपुरा द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ.नरेश कुमार के नेतृत्व में किया गया।इस अवसर पर डॉ.अनिल कुमार ने विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।अपने व्याख्यान में डॉ.अनिल कुमार ने औषधि रसायन विज्ञान और ड्रग डिजाइन की पारंपरिक एवं आधुनिक विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने नई दवाओं के विकास में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं,ड्रग्स के विभिन्न प्रकार,तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग पर गहन चर्चा की।डॉ.अनिल ने बताया कि किस प्रकार एआई को ड्रग डेवलपमेंट,क्लिनिकल ट्रायल्स और डेटा एनालिसिस में एकीकृत किया जा रहा है।साथ ही उन्होंने एआई के उपयोग से जुड़े लाभ,सीमाएँ,भविष्य की चुनौतियाँ एवं नैतिक चिंताओं पर भी विस्तार से अपने विचार साझा किए।उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने दवा खोज प्रक्रिया को अधिक तेज,सटीक और तर्कसंगत बनाकर ड्रग डिजाइन के क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है।औषधि रसायन विज्ञान के साथ समन्वय से अधिक सुरक्षित,प्रभावी और व्यक्तिगत दवाओं के विकास की अपार संभावनाएँ हैं,जो भविष्य में फार्मास्यूटिकल अनुसंधान की दिशा और दशा को बदलने वाली हैं।सम्मेलन में उपस्थित शिक्षकों,शोधार्थियों प्रतिभागियों ने डॉ.अनिल कुमार के व्याख्यान की प्रशंसा की।साथ ही भविष्य में मेडिसिनल केमिस्ट्री एवं ड्रग डिजाइन के क्षेत्र में एआई के व्यापक उपयोग की संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की गई।इससे रोगियों को सुरक्षित सटीक व प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी और रोगी शीघ्र स्वस्थ हो सकेंगे।

1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों का युक्तिकरण किया जाना अनिवार्य है : उपायुक्त

सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष सचिव और उनके प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के संबंध में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष सचिव और उनके प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी व उप निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों का युक्तिकरण किया जाना अनिवार्य है। इसी क्रम में जिले के सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों द्वारा पूर्व में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आवश्यक सूचनाएँ साझा की जा चुकी हैं। आज की बैठक इस प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आयोजित की गई।उपायुक्त ने जानकारी दी कि साहिबगंज जिला व गोड्डा जिला के बोआरीजोर एवं सुन्दरपहाड़ी प्रखंड को मिलाकर पूर्व में कुल 1008 मतदान केंद्र थे। जो युक्तिकरण के पश्चात बढ़कर 1090 हो रहे हैं। साथ ही साहेबगंज प्रखंड में 1 तथा राजमहल प्रखंड में 1 कुल 2 मतदान केंद्रों का मर्ज किया गया है।1 राजमहल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 1200 से अधिक मतदाताओं वाले कुल 41 मतदान केंद्र चिन्हित किए गए हैं। इनमें

साहेबगंज प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 88 को मतदान केंद्र संख्या 87 में तथा राजमहल प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 161 को मतदान केंद्र संख्या 162 में मर्ज किया गया है। 2 बोरियो अ०ज०जा० विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 1200 से अधिक मतदाताओं वाले कुल 28 मतदान केंद्रों का युक्तिकरण प्रस्तावित है। इनमें से 24 मतदान केंद्रों को दो भागों में विभाजित कर 24 नए मतदान केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित नए मतदान केंद्रों में से 8 उसी भवन के एक भाग में तथा शेष 16 मतदान केंद्रों को संबंधित गाँवों में जिनकी दूरी 2 किलोमीटर के भीतर है। स्थापित किया जाएगा।3 बरहेट अ०ज०जा० विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 1200 से अधिक मतदाताओं वाले कुल 13 मतदान केंद्रों का युक्तिकरण किया गया है। बोआरीजोर प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 15 को 2 किलोमीटर से अधिक दूरी होने के कारण उ० म० वि० पिलयढ़ेड़ा विद्यालय में, मतदान केंद्र संख्या 17 को भवन जर्जर होने के कारण आंगनबाड़ी केंद्र, राजापोखर में तथा मतदान केंद्र संख्या 22 को 2 किलोमीटर से अधिक दूरी होने के कारण उ० म० वि० पिपरा में स्थानांतरित किया गया है। वहीं पतना प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 228 को मतदाताओं की सुविधा एवं 2 किलोमीटर से अधिक दूरी को देखते हुए प्रा० वि० कैशरोल में स्थानांतरित किया गया है।बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य उपस्थित रहे।

तलाशी के दौरान देशी कट्टा व दो कारतूस बरामद

संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल पुलिस के द्वारा एक देशी कट्टा और दो जिंदा गोली के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अनुमंडलीय कार्यालय स्थित एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि मुफस्सिल थाना कांड संख्या 100/25 व आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी आरोपी लालबथानी, रामावतार टोला निवासी रंजीत महतो किशन प्रसाद के समीप पुल के पास शराब पी रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय के नेतृत्व में उक्त स्थल पर छापामार कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की तलाशी लेने पर उसकी बायीं कमर से एक देशी कट्टा व दाहिने कमर में दो जिंदा

कारतूस बरामद हुआ। मामले में मुफस्सिल थाना में आर्म्स एक्ट दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले को लेकर डीएसपी ने बताया कि बीते 10 अक्टूबर को रंजीत महतो ने अपने 4 साथियों के साथ विष्णु कुमार को जान मारने की नीयत गोलीबारी की थी। मामले में वादिनी लीला देवी पति जगदेव महतो ने एफआईआर दर्ज कराते हुए पुत्र विष्णु कुमार को जान मारने की नियत से फायरिंग करने का रंजीत व अन्य 4 लोगों पर आरोप लगाया था। उक्त कांड में घटना स्थल से पुलिस ने एक खोखा भी बरामद किया था। आरोपी रंजीत महतो 42 पर नगर थाना क्षेत्र में 12 अगस्त 2007 को मारपीट को लेकर कांड संख्या 129/2007 दर्ज किया गया था।

अखिल भारतीय उमर वैश्य महासभा पूर्वी क्षेत्र की कार्य समिति की हुई बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय उमर वैश्य महासभा पूर्वी क्षेत्र की कार्य समिति बैठक मंगलवार की देर शाम उत्सव बैंक्विट हॉल साहिबगंज में आयोजित हुई। बैठक में झारखंड, बिहार, बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए बैठक में साहिबगंज जिले के कार्यकारिणी के अतिरिक्त महिला परिषद की कार्यकारिणी भी उपस्थित रही। बैठक में पूर्वी क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों को महामंत्री द्वारा प्रमाण पत्र वितरण कर शपथ ग्रहण कराया अंत में बतौर पाथेय आगंतुक अतिथियों को स्थानीय महत्व के विषयों से संबंधित प्रतीक चिन्ह भी प्रदान किया गया। बैठक की अध्यक्षता कोलकाता से आए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम सुंदर साव ने की। बैठक का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्यामधर गुप्त ने की। बैठक में संरक्षक जगदीश प्रस्ताव ऊमर भोला नाथ साह छत्तीसगढ़

से आए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दशरथ मोदी उड़ीसा से रघुनंदन मोदी, जमुई से राष्ट्रीय संगठन मंत्री बैजनाथ मोदी, राष्ट्रीय मंत्री आनंद मोदी मीडिया प्रभारी सुभाष मोदी जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार साह, राष्ट्रीय सलाहकार विश्वामित्र एवं विवेक कुमार, कार्यसमिति के लोकेश कुमार, दिनेश मोदी, बृजेश साव, दयावती साव युवजन संघ के संगठन मंत्री प्रभुदयाल, कार्यसमिति सदस्य चंदन कुमार, अमित कुमार, महिला परिषद की राष्ट्रीय संगठन मंत्राणी पिंकी मोदी,महिला कार्यकारिणी शालिनी गुप्ता, संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक सतीश कुमार साह, पवन कुमार साह, अवधेश कुमार, संतोष कुमार मोदी, श्रवण मोदी विनोद कुमार साह, धर्मेश कुमार, राजेश कुमार साह, पन्ना लाल साह राजेश मोदी मुन्ना मोदी मोहन मोदी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

खासकर कार्तिक मास और तुलसी पूजन पर इसका विशेष महत्व है : मुकेश मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज : जिला सहित आसपास क्षेत्र में तुलसी पूजा को लेकर स्थानीय गंगा घाटों में भक्तों की गंगा स्नान करने के लिए भीड़ उम्र पड़ी है ।वही दूसरी ओर पंडित मुकेश मिश्रा ने बताया कि इस कप कापाती ठंड में सनातनी धर्म मानने वाले भक्तगण पूजा अर्चना के लिए अंधी हो या तूफान पूजा पाठ करने के लिए मां गंगा में स्नान करते हुए नजर आऐ जबकि श्री मिश्रा ने बताया कि भारत के साधु-संतों द्वारा 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू की गई है।ताकि इस दिन तुलसी के महत्व को समझा जा सके और उसकी पूजा की जा सके।तुलसी पूजा एक पवित्र हिंदू रीति है जिसमें मां तुलसी पवित्र तुलसी की पूजा की जाती है। जिसे धन और सुख-समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। इसमें सुबह स्नान करके, जल, कुमकुम, हल्दी, फूल, दीपक और भोग चढ़ाकर, मंत्रों का जाप करते हुए परिक्रमा 7 या 11 बार की जाती है और आरती के साथ समापन किया जाता है। जिससे घर में सकारात्मकता शांति और समृद्धि आती है।खासकर कार्तिक मास और तुलसी पूजन पर इसका विशेष महत्व है। तुलसी पूजा की विधि सुबह जल्दी उठकर स्नान और स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं जबकि पीले वस्त्र शुभ माने जाते हैं। घर के आंगन या बालकनी में तुलसी का पौधा साफ करके दक्षिण दिशा में तुलसी न रखें उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा उत्तम है। गंगाजल मिले शुद्ध जल या कच्चा दूध और जल मिलाकर तुलसी के पौधे में धीरे-धीरे अर्पित करते हैं इस में ध्यान रहे कि जड़ें सड़ें नहीं।श्रृंगार तुलसी माता को सिंदूर, कुमकुम, हल्दी, लाल चुनरी, चूड़ी, और श्रृंगार का सामान चढ़ाएं शुद्ध घी का दीपक जलाएं और धूपबत्ती दिखाएंऔर मंत्र जाप मंत्रः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय व अन्य तुलसी मंत्रों का जाप एवं तुलसी के पौधे की 7, 11, या 21 बार परिक्रमा करते हैं। हमेशा दाहिनी ओर से फल, मिठाई, पंचामृत का भोग लगाएं, तुलसी चालीसा का पाठ और आरती करते हैं। आरती के बाद प्रसाद सभी में बांट देते हैं।

साहिबगंज युवा कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष बने तनवीर राजा

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के सांगठनिक चुनाव में राजमहल लखीपुर निवासी मो रफजुल अहमद के पुत्र मो तनवीर आलम उर्फ तनवीर राजा युवा कांग्रेस कमिटी का जिला अध्यक्ष निर्वाचित हुए।उनके जिला अध्यक्ष बनने से संगठन में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ है।युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने उनकी एतिहासिक जीत 502 मतों से विजय घोषित होने बधाइयाँ दी हैं।तनवीर राजा को संगठनात्मक कार्यों का अच्छा अनुभव बताया जाता है।क्योंकि वो पूर्व में एनएसयूआई साहिबगंज के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं।कार्यकताओं को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में जिला स्तर पर युवा कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी तथा युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।जिला अध्यक्ष बनने के बाद तनवीर राजा ने पाकुड़ विधायक सह साहेबगंज जिला प्रभारी निसात आलम,प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम,जिला अध्यक्ष बरकत खान,अशोक दास,बास्किनाथ यादव,मो कलीमुद्दीन,शाहनवाज नासिर,इखलास नदीम सहित पार्टी नेतृत्व सभी कांग्रेस वरिष्ठ बुद्धिजीवी और सभी युवा कांग्रेस कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे संगठन को सशक्त बनाने,युवाओं को जोड़ने और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

जिले में संचालित सभी स्कूल बसों का रंग पीला होना अनिवार्य है : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात नियमों के सख्त अनुपालन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी स्कूल बसों का रंग पीला होना अनिवार्य है तथा प्रत्येक स्कूल बस में जीपीएस सिस्टम लगा होना चाहिए। जांच के दौरान यदि किसी स्कूल बस में जीपीएस नहीं पाया गया या निर्धारित रंग का पालन नहीं किया गया तो संबंधित स्कूल/बस संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में सख्ती बरतते हुए जिले में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से वाहन चालकों की जांच की जा रही है। अब तक ड्रिंक एंड ड्राइव के 11 मामलों में वाहन चालकों का लाइसेंस रद्द (सस्पेंड) किया

गया है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि बस स्टैंड सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जाए।

बैठक में बताया गया कि हिट एंड रन से संबंधित 50 मामले लंबित हैं। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि इन मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। वाहन जांच के दौरान हेलमेट जांच पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ ओवरलोडिंग के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सड़क की स्थिति को लेकर निर्देश दिया कि कहीं भी सड़क पर गड्ढे न रहें। यदि कहीं गड्ढे पाए जाते हैं तो तत्काल मरम्मत कराई जाए। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने एवं दोबारा अतिक्रमण न लगे, इसके लिए निरंतर मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया।

दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में कॉन्वेक्स मिरर लगाए जाने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिले में एक भी व्यक्ति सड़क दुर्घटना का शिकार न हो, इस उद्देश्य के साथ विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें।

समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि सितंबर, अक्टूबर एवं नवंबर माह में कुल 3431 वाहनों की जांच की गई, जिससे ₹42.81 लाख से अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई।

चिकरी-चिकरी हुकस्टेप से सैयारा बाइक सीन तक, 2025 के मोमेंट्स वायरल

हर फिल्म या वेब सीरीज में कोई न कोई ऐसा गाना, सीन या हुक स्टेप होता है, जो दर्शकों की सोच को पकड़ लेता है और सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। 2025 में भारतीय एंटरटेनमेंट ने ऐसे कई चर्चित वायरल मोमेंट्स दिए हैं, जिन्हें फैंस ने बार-बार रीक्रिएट किया, शेयर किया और जिन पर जमकर दीवानगी दिखाई। राघव जुयाल के यादगार कहो न कहो परफॉर्मेंस से लेकर धुरंधर में अक्षय खन्ना के एनर्जेटिक डांस तक, ये सीक्वेंस सिर्फ पॉपुलर नहीं रहे, बल्कि कल्चरल फिनॉमिना में बदल गए। ये ऐसे पल थे, जिन्होंने स्क्रीन से निकलकर सोशल मीडिया पर अपनी अलग पहचान बनाई। आइए नजर डालते हैं उन सिनेमाई और डिजिटल मोमेंट्स पर, जो 2025 में सोशल मीडिया पर वायरल सनसनी बन गए।

सैयारा का रोमांटिक बाइक सीन: सैयारा में अनीत पड्डा और अहान पांडे का बाइक वाला सीन दर्शकों के दिलों को छू गया। इस सीन में अहान जिस तरह प्यार और परवाह के साथ अनीत के चारों ओर अपनी हुडी लपेटते हैं और उसे अपनी कमर से बांध लेते हैं, वही छोटी-सी बात इस पल को बेहद खास बना देती है। यही सादगी और अपनापन इस सीन को वायरल बना गया। सोशल मीडिया पर इस मोमेंट से जुड़े अनगिनत रील्स बनने लगे कुछ मजेदार, कुछ बेहद रोमांटिक। फैंस ने अपने पार्टनर्स के साथ इस सीन को दोहराया, और देखते ही देखते यह 2025 के सबसे पसंद किए जाने वाले और ट्रेंडिंग फिल्म सीक्वेंसेज में शामिल हो गया।

अक्षय खन्ना का डांस: धुरंधर में अक्षय खन्ना का डांस सोशल मीडिया पर तहलका मचा गया। ब्लैक आउटफिट और सनग्लासेस में कार से उतरते हुए उनका एंट्री मोमेंट और फिर डांसर्स के साथ उनका अलग ही अंदाज लोगों को तुरंत पसंद आ गया। उनकी स्टाइल और एनर्जी ने इस क्लिप को देखते ही देखते वायरल बना दिया। सोशल मीडिया पर फैंस ने इस डांस मूव को जमकर रीक्रिएट किया। किसी ने अपने अंदाज में स्टेप्स जोड़े, तो किसी ने इसे पूरी तरह कॉपी किया। देखते ही देखते यह 2025 के सबसे ज्यादा वायरल और चर्चित डांस मोमेंट्स में शामिल हो गया।

पेड्डी का चिकरी चिकरी हुकस्टेप: पेड्डी में राम चरण का चिकरी चिकरी हुकस्टेप अपनी जबरदस्त एनर्जी और सटीक मूव्स की वजह से सोशल मीडिया पर छा गया। इस स्टेप की खास बात इसकी चुनौती और यूनिक स्टाइल रही, जिसने देखते ही देखते फैंस और डांसर्स का ध्यान खींच लिया। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस हुकस्टेप को जमकर रीक्रिएट किया और राम चरण की स्किल और स्टाइल की खूब तारीफ की। बहुत ही कम वक्त में यह सीक्वेंस ट्रेंडिंग बन गया और 2025 के सबसे आइकॉनिक डांस मोमेंट्स में अपनी जगह पक्की कर ली।

द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड का कहो न कहो मोमेंट: द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड में वह सीन देखते ही देखते वायरल हो गया, जहां राघव जुयाल का किरदार इमरान हाशमी से मिलता है और कहो न कहो मोमेंट को हिंदी और अरबी दोनों वर्ज़न में गाता है। राघव की सहज गायकी, आत्मविश्वास और चार्म ने इस पल को खास बना दिया। इस क्लिप के सामने आते ही सोशल मीडिया पर एडिट्स और रीक्रिएशन्स की बाढ़ आ गई। फैंस ने इसे अलग-अलग अंदाज में शेयर किया, जिससे यह सीन 2025 के सबसे ज्यादा शेयर किए गए और चर्चा में रहने वाले म्यूज़िकल मोमेंट्स में शामिल हो गया।

उई अम्मा ट्रेंड: राशा थडानी पर फिल्माया गया गाना उई अम्मा 2025 का सबसे बड़ा वायरल हिट बनकर उभरा। इसके कैची बीट्स, एनर्जेटिक स्टेप्स और पॉजिटिव वाइब ने देखते ही देखते पूरे देश में ट्रेंड खड़ा कर दिया। सोशल मीडिया पर हर उम्र के फैंस और इन्फ्लुएंसर्स ने इसके हुकस्टेप को रीक्रिएट किया। कुछ ही समय में यह गाना हर प्लेटफॉर्म पर छा गया। रील्स, शॉर्ट्स और वीडियोज की बाढ़ के साथ उई अम्मा सिर्फ एक गाना नहीं रहा, बल्कि एक कल्चरल फिनॉमिना बन गया और 2025 के सबसे ज्यादा शेयर किए गए वायरल मोमेंट्स में शामिल हो गया।

600 करोड़ के क्लब में शामिल हुई धुरंधर

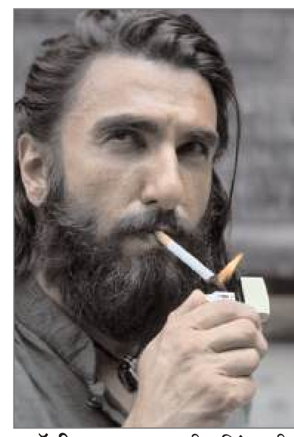

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर ने भारतीय बाजार में 20 दिनों में 607 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। इनके अलावा अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन जैसे सितारे हैं। स्पाई थ्रिलर धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। रिलीज के पहले दिन से लेकर अब तक धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म 20वें दिन तक लगातार डबल डिजिट में कमाई करने में सफल रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म धुरंधर ने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 207.25 करोड़ की जबरदस्त कमाई की थी।

फिल्म धुरंधर ने दूसरे सप्ताह में 253. 25 करोड़ का शानदार कारोबार किया था। तीसरे सप्ताह में भी फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस फिल्म ने 15वें दिन 22.5 करोड़,16 वें दिन 34.25 करोड़, 17वें दिन 38.5 करोड़, 18 वें दिन 16.5 करोड़ और 19 वें दिन 17.25 करोड़ का कारोबार किया। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म धुरंधर ने 20वें दिन 17.75 करोड़ की कमाई की।इस तरह 20 दिनों में ही स्पाई थ्रिलर धुरंधर ने भारत में 607 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित है, और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, बी62 स्टूडियोज के प्रोडक्शन और सारेगामा के सहयोग से बनी फिल्म धुरंधर भारत में करीब 5,000 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है। धुरंधर को क्रिटिक्स और फैंस दोनों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त बज बना हुआ है। अब धुरंधर का सीक्वल 19 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाला है।

सोनम बाजवा बॉर्डर 2 से करेंगी 2026 की शुरूआत

पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार अभिनेत्री सोनम बाजवा वर्ष 2026 की शुरूआत फिल्म बॉर्डर 2 से करेंगी। वर्ष 2025 में पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार सोनम बाजवा ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। बॉलीवुड के अपने पहले ही साल में, अभिनेत्री तीन बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहीं, जिसमें हाउसफुल 5, बागी 4 और एक दीवाने की दीवानियत के नाम शामिल हैं। अब वह इस कामयाबी को अगले साल भी जारी रखने के लिए तैयार हैं, जिसकी शुरूआत साल के पहले महीने में ही एक बड़ी रिलीज से होगी।

हाल ही में बॉर्डर 2 का टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें सोनम युद्ध पर आधारित इस ड्रामा फिल्म में दिलजीत दोसांझ के अपोजिट नजर आएंगी। यह सोनम की चौथी हिंदी फिल्म है। सोनम ने अपनी सभी हिंदी फिल्मों में बड़े कलाकारों के साथ काम किया है, जो उनकी स्टार पॉवर को साबित करता है। जहां 2025 का अंत उनके लिए एक दीवाने की दीवानियत के साथ शानदार रहा, वहीं 2026 की शुरूआत बॉर्डर 2 के साथ और भी बड़ी होने वाली है।

सोनम बाजवा ने बॉर्डर 2 के बारे में बात करते हुए कहा, निर्देशक अनुराग सिंह ने बॉर्डर 2 के लिए मुझसे संपर्क किया। हमारा काम का रिश्ता पहले से ही बहुत अच्छा है, क्योंकि हमने पहले भी साथ काम किया है। दिलचस्प बात यह है कि उन दोनों फिल्मों में भी दिलजीत मेरे साथ थे, इसलिए पंजाब में हमारा साथ काफी खास रहा है।

सोनम बाजवा ने कहा, बॉर्डर 2 में, मैं मंजीत नाम की एक पंजाबी लड़की का किरदार निभा रही हूँ, जो अंबाला की रहने वाली है और दिलजीत दोसांझ के किरदार (फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों) की पत्नी है। अनुराग ने मुझे बताया कि मंजीत के रोल के लिए सबसे पहले उनके दिमाग में मेरा ही नाम आया, जो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। मैं बहुत उत्साहित थी, क्योंकि जैसे ही मुझे पता चला कि बॉर्डर 2 बन रही है, यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट बन गया।

सोनम बाजवा ने कहा, मुझे याद भी नहीं कि बचपन में मैंने कितनी बार टीवी पर बॉर्डर फिल्म देखी है। यह मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है और इससे बचपन की बहुत सारी यादें जुड़ी हैं। मुझे इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व और खुशी महसूस हो रही है। बॉर्डर 2, साल 2026 में गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और अन्या सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

करीना कपूर ने शेयर की पति सैफ और बहन करिश्मा कपूर की लेटेस्ट

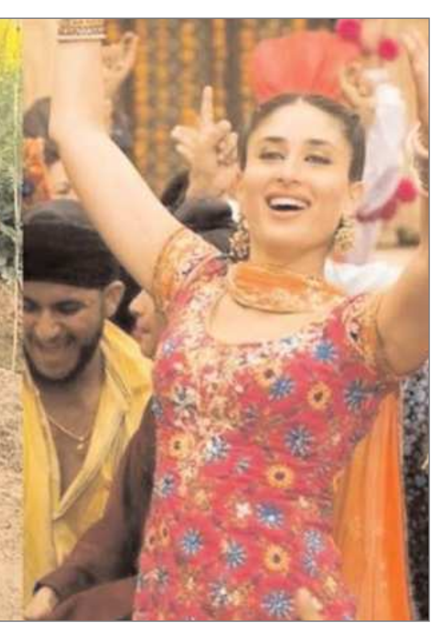

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान इन दिनों मुंबई की भागदौड़ से दूर सुकून के पल बिता रही हैं। वह इस वक्त अपने परिवार के साथ फार्महाउस में वक्त बिता रही हैं, जहां जिंदगी की रफ्तार काफी धीमी और सुकूनभरी नजर आ रही है। करीना ने अपने विंटर ब्रेक की एक झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसमें उनके पति सैफ अली खान और बहन करिश्मा कपूर सरसों के खेतों के बीच धूप का आनंद लेते दिख रहे हैं। इस तस्वीर के साथ करीना ने अपने चुटीले अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया।

करीना कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो में सैफ अली खान और करिश्मा कपूर साथ खड़े नजर आ रहे हैं। तस्वीर में पीछे दूर-दूर तक फैले पीले सरसों के फूल दिखाई दे रहे हैं, जो सर्दियों के मौसम को और भी खूबसूरत बना रहे हैं।

फोटो में करिश्मा कपूर बेहद सिंपल और कूल लुक में नजर आईं। उन्होंने ओवरसाइज्ड स्वेटशर्ट, ब्लैक पैंट और स्नीकर्स पहने हुए हैं, साथ ही चश्मे में उनका लुक काफी सहज और नेचुरल लग रहा है। वहीं सैफ अली खान ग्रीन पैडेड जैकेट में नजर आए, जिसे उन्होंने टी-शर्ट के ऊपर लेयर किया। इसके साथ उन्होंने डार्क जॉगर्स और स्नीकर्स पहने हैं।

करीना का मजेदार कैप्शन: करीना ने इस तस्वीर को फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के मशहूर गाने के साथ शेयर किया और कैप्शन में लिखा, सरसों के खेत में असली सितारे। उनका यह मजेदार कैप्शन फैंस को खासा पसंद आया।

वर्कफ्रंट पर करीना कपूर: बता दें, करीना अगली बार मेघना गुलजार की आने वाली फि ल्म दायरा में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी होंगे। यश और सीमा ने मेघना गुलजार के साथ मिलकर इस फि ल्म की कहानी लिखी है और फि ल्म अभी प्रोडक्शन में है।

पैपराजी को लेकर जया बच्चन के बयान पर भड़के हिंदुस्तानी भाऊ, बोले-

खुद 150 की साड़ी पहनती और कहती हैं कि..

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन और पैपराजी के बीच का रिश्ता लंबे समय से तनावपूर्ण रहा है। जया बच्चन कई बार सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति फोटो खींचने को लेकर पैपराजी पर नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। इसी मुद्दे पर दिया गया उनका एक पुराना बयान एक बार फिर चर्चा में आ गया है, जिस पर अब बिग बॉस 13 के चर्चित कंटेस्टेंट हिंदुस्तानी भाऊ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

हिंदुस्तानी भाऊ ने एक वीडियो बयान में जया बच्चन को निशाने पर लेते हुए कहा कि वो जया बच्चन जो खुद 150 रुपए की साड़ी पहनती है, पुराना बाजार से और वो इन लोगों को गरीब बोलती हैं और कहती हैं कि कैसे गंदे कपड़े पहनकर आते हैं। तुम लोग क्यों जाते हो ऐसे इंसान के पास, जहां आपको इज्जत नहीं मिलती। आप लोगों की वजह से ये लोग दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाकर अपने बॉस को बोलो कि तू जा, वहां पर हमारी इज्जत नहीं होती है। जब तू बेइज्जत हो जाएगा ना, तब तेरे को पता चलेगा।

हिंदुस्तानी भाऊ का ये बयान सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है और लोग उनकी बात के साथ पूरी सहमति जता रहे हैं। बीते दिनों एक इंटरव्यू में जया बच्चन ने कहा था कि उनका पैपराजी के साथ कोई रिश्ता नहीं है और वे उन लोगों की आलोचना करती हैं जो सिर्फ मोबाइल लेकर उन्हें फोटो खींचने लगते हैं। उन्होंने कहा था- यह जो बाहर ड्रेन पाइप टाइट गंदे-गंदे पैंट पहनकर, हाथ में मोबाइल लेकर, वे सोचते हैं कि आपकी फोटोज खींच सकते हैं और जो मन आता है कहते हैं। वे किस तरह के कमेंट्स पास करते हैं। यह कैसे लोग हैं? कहां से आते हैं? किस तरह का एजुकेशन है? क्या बैकग्राउंड है?

विराट कोहली ने रचा इतिहास, 16 हजार रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली: विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे कर लिए हैं। ऐसा करने वाले वह सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे भारतीय और विश्व क्रिकेट में नौवें बल्लेबाज बन गए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी की शुरूआत से पहले उन्हें इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए सिर्फ एक रन की दरकार थी, जिसे बुधवार को उन्होंने आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच में हासिल कर लिया। मैच में उन्होंने शानदार शतक जड़ा, जो लिस्ट ए में उनका 57वां शतक है। उनकी शानदार पारी की बदौलत दिल्ली ने आंध्र प्रदेश को चार विकेट से शिकस्त दी। विराट कोहली करीब 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलने उतरे। बुधवार को बेंगुलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दिल्ली के खिलाफ आंध्र प्रदेश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 298 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली को जीत के लिए 299 रन का लक्ष्य मिला।

विराट कोहली ने प्रियांश आर्य के साथ 113 रन की शानदार साझेदारी की। आर्य 74 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद कोहली ने नीतीश राणा के साथ 160 रन की साझेदारी की। विराट कोहली 101 गेंद में 131 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और तीन छक्के जड़े। राणा ने भी 55 गेंदों में 77 रनों की शानदार पारी खेली। दिल्ली की टीम ने 38वें ओवर में ही 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में विराट कोहली ने जैसे ही 1 रन लिया, उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में 16000 रन का आंकड़ा पूरे कर लिए। इस तरह वह सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा, विवियन रिचड्र्स और अन्य के एलिट क्लब में शामिल हो गए।

रोहित के नौवीं बार 150 से ज्यादा रन डेविड वॉर्नर के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

तीसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर विराट कोहली-क्रिस गेल भी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली: विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते शतक जड़ा और इस प्रारूप में सर्वाधिक नौ बार 150 से अधिक का स्कोर बनाकर डेविड वॉर्नर की बराबरी की। रोहित शर्मा अब लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 150 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने डेविड वॉर्नर के नौ बार 150+ स्कोर बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की है। तीसरे नंबर पर इस लिस्ट में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने पांच बार यह कारनामा किया है। इसके बाद विराट कोहली और क्रिस गेल हैं।

इन दोनों ने भी पांच-पांच बार यह कमाल किया है। रोहित ने बुधवार को 38 वर्ष और 238 दिन की उम्र में शतक जड़ा और वह इस टूर्नामेंट में शतक जड़ने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए। इस टूर्नामेंट में शतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बंगाल के अनुस्तुप मजूमदार हैं, जिन्होंने 39 वर्ष की उम्र में 2023-24 सीजन में दो शतक जड़े थे। 62 गेंदों पर शतक बनाने के बाद रोहित की पारी 94 गेंदों पर 155 के निजी स्कोर पर समाप्त हुई। रोहित ने अपनी पारी में 18 चौके और नौ छक्के लगाए। यह मैच मुंबई ने आठ विकेट से जीता।

जसप्रीत बुमराह की बादशाहत खतरे में, तिलक वर्मा टॉप-थ्री में

एजेंसी/ दुबई: आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अपनी धमाकेदार फॉर्म जारी रखते हुए टी-20 आई बल्लेबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। तिलक ने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के टॉप-3 में जगह बना ली है। हालांकि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टेस्ट क्रिकेट में बादशाहत खतरे में पड़ती नजर आ रही है। बुमराह 879 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ टॉप पर बने हुए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस से उनको कड़ी टक्कर मिल रही है, जो कि चार पायदान की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने एडिलेड में तीसरे एशेज टेस्ट में वापसी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट झटके। उन्होंने पहली और दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीसरा मैच जीतकर एशेज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली और एशेज को रिटेन भी कर लिया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने एशेज सीरीज में शानदार खेल दिखाते हुए चार पायदान की छलांग लगाई है और अब वह दूसरे स्थान पर आ गए हैं। स्टार्क भी तीसरे स्थान पर काबिज हैं और बुमराह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस समय टी-20 रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का बोलबाला है। अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर मजबूती से जमे हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा अब उनके काफी करीब आ गए हैं। भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह टॉप-10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गए हैं।

दिल्लीवासियों ने 50 दिन बाद ली राहत की सांस, एक्यूआई गिरकर 220 पर पहुंचा

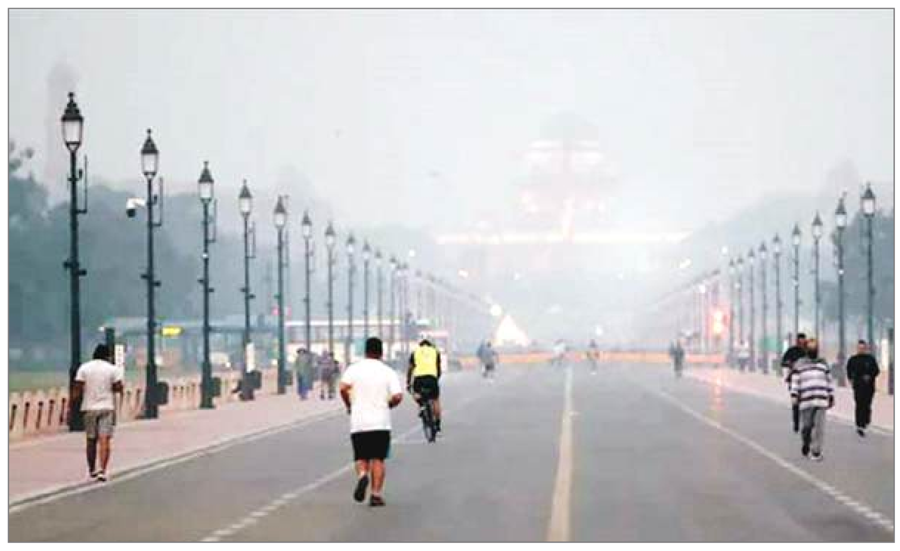

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी वासियों को क्रिसमस सुबह 50 दिनों में सबसे स्वच्छ हवा मिली। दिवाली के बाद से जारी खतरनाक प्रदूषण स्तरों के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक गिरकर 220 पर आ गया जो राजधानी के लोगों के लिए बहुत राहत वाली रिपोर्ट है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह 8:05 बजे दिल्ली का एक्यूआई 220 दर्ज किया गया, जो नवंबर की शुरूआत के बाद सबसे कम है। यह मंगलवार शाम चार बजे दर्ज 24 घंटे के औसत एक्यूआई 271 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

मंगलवार देर रात चली तेज हवाओं के कारण प्रदूषण स्तर में गिरावट आई है। राजधानी में 22 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चली हवाओं ने एक्यूआई को काफी हद तक कम करने में मदद की। इससे पहले सप्ताह की शुरूआत में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में बना हुआ था । सोमवार को 373 से बढ़कर मंगलवार को 412 तक पहुंच गया था लेकिन तेज हवाओं के कारण इसमें तेज गिरावट दर्ज की गई है।

इस बीच वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएसक्यूएम) ने कल ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज-4 प्रतिबंध हटा लिया है। यह फैसला रात तेज हवाओं के चलने के कारण कुछ घंटों बाद लिया गया। हालांकि, आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता में गिरावट आने का आसार हैं। वहीं, ग्रैप के स्टेज-एक, दो और तीन के तहत प्रतिबंध जारी रहेंगे।

दिल्ली में बनेंगे मेट्रो के तीन और रूट, केंद्र से 12 हजार करोड़ मंजूर

दो लाख लोगों को फायदा, जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली: केंद्रीय कैबिनेट बैठक में दिल्ली मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार इस प्रोजेक्ट पर 12,015 करोड़ रुपए खर्च करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो के फेज 5ए को मंजूरी दे दी है, जिसमें तीन नए रूटों पर 13 स्टेशन बनेंगे। 12,015 करोड़ रुपए की लागत से 16 किलोमीटर लंबी नई लाइन बिछाई जाएगी। इस विस्तार के साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 400 किलोमीटर से ज्यादा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो से रोजाना करीब 65 लाख लोग सफर करते हैं, जबकि त्यौहारों या खास मौकों पर यात्रियों की संख्या बढकर 80 लाख के पार हो जाती है।

यात्रियों की राहत और सडकों पर जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए दिल्ली में मेट्रो के तीन और रूट बनाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत 13 नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे, जिसमें 10 अंडरग्राउंड स्टेशन और तीन एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

यह प्रोजेक्ट तीन साल में पूरा होने का अनुमान है। दिल्ली मेट्रो भारत की सबसे बड़ी और सबसे व्यस्त मेट्रो सिस्टम है, जिसे दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ऑपरेट करता है। दिल्ली मेट्रो शहर को आसपास के एनसीआर इलाकों को जोड़ती है, जिसमें नोएडा, गुडगांव, फरीदाबाद, गाजियाबाद और बहादुरगढ़ शामिल हैं। दिल्ली मेट्रो देश का सबसे सफल मेट्रो नेटवर्क है। इस नेटवर्क पर 10 रंग की कोडेड लाइनें और 250 से ज्यादा मेट्रो स्टेशन हैं। इनमें जमीन के अंदर और एलिवेटेड स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर एक म्यूजियम है, जहां लोग मेट्रो चलाने का अनुभव भी ले सकते हैं।

जवाली में पकड़ी 100 पेटी अवैध शराब

जवाली: पुलिस जिला नूरपुर ने नशे के विरुद्ध चलाए गए अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना जवाली के अंतर्गत समकेहड़ में गुरुवार सुबह नाकाबंदी के दौरान विशाल कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी जवाली की गाड़ी से 100 पेटियां अवैध देशी शराब बरामद करने में सफलता प्राप्त की है, जिस पर आरोपी को गिरफ्तार करके उसके विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। एएसपी नूरपुर धर्म चंद वर्मा ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है तथा शराब को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

11 दिन बाद ऑस्ट्रेलिया में फिर यहूदियों पर हमला, कार पर की फायर बॉम्बिंग

कैनबरा : ऑस्ट्रेलिया में क्रिसमस से ठीक पहले यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर की गई एक और घटना सामने आई है। मेलबर्न में अज्ञात लोगों ने एक रब्बी की कार को आग लगाने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने इस घटना को फायर बॉम्बिंग करार दिया है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इसे यहूदी-विरोधी मानसिकता से प्रेरित संदिग्ध हमला बताया है।

यहूदी-विरोध या एंटी-सेमिटिज्म का अर्थ यहूदियों के प्रति नफरत, भेदभाव, पूर्वाग्रह या शत्रुता से है। इस सोच के तहत यहूदी समुदाय को दोषी ठहराया जाता है और उनके खिलाफ हिंसा या साजिशों को बढ़ावा दिया जाता है। पुलिस के मुताबिक, क्रिसमस की सुबह से पहले रब्बी के घर के बाहर खड़ी कार पर आग लगाने वाला उपकरण फेंका गया। आग से कार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, समय रहते रब्बी और उनके परिवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

यह घटना मेलबर्न के सेंट किल्डा ईस्ट इलाके में हुई। गुरुवार तड़के करीब 2:50 बजे बालाक्लावा रोड स्थित रब्बी के घर के ड्राइववे में खड़ी सिल्वर रंग की सेडान कार को आग के हवाले करने की कोशिश की गई। कार पर हैप्पी हनुक्का लिखा हुआ एक छोटा बोर्ड भी लगा हुआ था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सुरक्षा कारणों से परिवार को घर से बाहर ले जाया गया।

मूरैबिन क्राइम इन्वेस्टिगेशन यूनिट के अधिकारियों ने बताया कि वे 25 दिसंबर को हुई इस संदिग्ध आगजनी की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति की पहचान की है, जो जांच में अहम जानकारी दे सकता है। मामले की छानबीन जारी है।

गुरुवार सुबह जली हुई कार को ड्राइववे से हटा दिया गया, लेकिन टूटे कांच अब भी वहां दिखाई दिए। यह मकान यहूदी समुदाय के बीच स्थित है और इसके ठीक सामने एक यहूदी स्कूल है। घर के बाहर बच्चों की साइकिल और जूतों की कतारें रखी हुई थीं। यह घटना बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए हमले के कुछ ही दिन बाद सामने आई है, जिसमें 15 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यहूदियों का प्रमुख पर्व हनुक्का 22 दिसंबर को समाप्त हुआ था।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस घटना पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बॉन्डी हमले के बाद से ऑस्ट्रेलिया का यहूदी समुदाय सदमे में है और मेलबर्न की यह घटना उस दर्द को और बढ़ाने वाली है। उन्होंने दोहराया कि देश में नफरत और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और सरकार ऐसे मामलों से सख्ती से निपटेगी।

इसरो ने रचा इतिहास, बाहुबली एलवीएम3 से भारी सैटेलाइट ब्लूबर्ड-2 लॉन्च, अब सीधे अंतरिक्ष से जुड़ेगा स्मार्टफोन

श्रीहरिकोटा : श्रीहरिकोटा, 24 दिसंबर (आईएएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी एसएचएआर), श्रीहरिकोटा से इसरो के एलवीएम3-एम6 रॉकेट ने अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल की ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में स्थापित कर दिया।

यह एलवीएम3 रॉकेट के इतिहास में अब तक का सबसे भारी पेलोड (6,100 किलोग्राम) है। लॉन्च सुबह 8:54 बजे आईएसटी सेकंड लॉन्च पैड से हुआ। 43.5 मीटर ऊंचे और 640 टन वजन वाले इस रॉकेट ने लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद सैटेलाइट को 520 किलोमीटर की ऊंचाई पर 53 डिग्री इंक्लिनेशन वाली सर्कुलर ऑर्बिट में छोड़ा। यह इसरो की 100 प्रतिशत सफलता वाली एलवीएम3 सीरीज की छठी उड़ान है, जो पहले चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और वनवैब के 72 सैटेलाइट्स लॉन्च कर चुकी है। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के माध्यम से एक समर्पित कमर्शियल डील का हिस्सा है। एएसटी स्पेसमोबाइल दुनिया का पहला स्पेस-बेस्ड सेल्युलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क बना रही है, जो सामान्य स्मार्टफोन पर सीधे 4जी/5जी वॉइस, वीडियो कॉल, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और इंटरनेट डेटा प्रदान करेगा। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 की मदद से स्मार्टफोन वाणिज्यिक और सरकारी दोनों उद्देश्यों के लिए सीधे उपग्रहों से जुड़ सकेंगे।

यह सैटेलाइट ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 सीरीज का पहला है, जिसमें 223 वर्ग मीटर का बड़ा फेज्ड एरे है, जो एलईओ में अब तक का सबसे बड़ा कमर्शियल कम्युनिकेशन एरे है। कंपनी पहले सितंबर 2024 में ब्लू बर्ड 1-5 लॉन्च कर चुकी है, जो अमेरिका और चुनिंदा देशों में कवरेज दे रहे हैं। ब्लॉक-2 सैटेलाइट्स 10 गुना ज्यादा बैंडविड्थ देंगे और दुनिया भर में कनेक्टिविटी गैप (लगभग 6 अरब मोबाइल यूजर्स) की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे पहाड़ों, महासागरों और रेगिस्तानों में भी यह गैप खत्म किया जा सकेगा।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने लॉन्च से पहले तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की। यह मिशन भारत की कमर्शियल स्पेस लॉन्च क्षमता को वैश्विक स्तर पर मजबूत करता है। एएसटी स्पेसमोबाइल ने 50 से ज्यादा मोबाइल ऑपरेटर्स के साथ पार्टनरशिप की है।

यूनिफॉर्म पर आईआरसीटीसी के साथ खाना बनाने वाली प्राइवेट कंपनी का नाम लिखना हुआ अनिवार्य

नई दिल्ली: ट्रेन यात्रियों को भोजन परोसने वाले कैटरिंग स्टाफ की यूनिफॉर्म को लेकर आईआरसीटीसी ने बड़ा बदलाव किया है। अब स्टाफ की यूनिफॉर्म पर आईआरसीटीसी के नाम के साथ-साथ उस निजी कंपनी का नाम लिखना भी अनिवार्य कर दिया गया है, जो खाना तैयार कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक यह कदम ट्रेनों में खाने की गुणवत्ता को लेकर बढ़ती शिकायतों, ओवरचार्जिंग और जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से उठाया गया है। बताया जा रहा है कि बड़े रेलवे स्टेशनों पर आईआरसीटीसी के नाम पर अनधिकृत वेंडिंग की शिकायतें भी लगातार बढ़ रही थीं, जिससे आईआरसीटीसी की ब्रांड पहचान का गलत इस्तेमाल होने की आशंका थी।

यूनिफॉर्म पर क्या-क्या होगा अनिवार्य? : नई व्यवस्था के तहत यूनिफॉर्म पर आईआरसीटीसी के साथ खाना बनाने वाली प्राइवेट कंपनी का नाम साफ लिखा होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए यूनिफॉर्म पर हेल्पलाइन नंबर छपवाना भी जरूरी होगा, ताकि शिकायत तुरंत दर्ज हो सके। सूत्रों के अनुसार, कैप पर आईआरसीटीसी का लोगो नहीं होगा, जिससे अनधिकृत विक्रेताओं द्वारा आईआरसीटीसी नाम/लोगो के दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके। इसके अलावा यूनिफॉर्म पर हेल्पलाइन नंबर छपवाना भी अनिवार्य किया गया है

मुंबई को मिला ऐतिहासिक क्रिसमस गिफ्ट

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू हुईं कमर्शियल उड़ानें

मुंबई : मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए 25 दिसंबर का दिन ऐतिहासिक बन गया। वर्षों के इंतजार और कई बार टली डेडलाइन के बाद आखिरकार नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों की शुरूआत हो गई है। क्रिसमस के मौके पर मिले इस खास तोहफे से न केवल मुंबई के हवाई यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि यह शहर दो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला महानगर भी बन गया है।

उद्घाटन के पहले ही दिन चार प्रमुख एयरलाइंस–इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्टार एयर–ने यहां से घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया। सुबह 8:55 बजे एयरपोर्ट से पहली उड़ान भरी गई, जब इंडिगो का विमान हैदराबाद के लिए रवाना हुआ। यात्रियों के लिए एयरपोर्ट टर्मिनल सुबह 6:40 बजे खोल दिया गया था।

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, पहले दिन कुल 30 एयर ट्रैफिक मूवमेंट दर्ज किए गए, जिनमें 15 डिपार्चर शामिल हैं। शुरूआती चरण में यह एयरपोर्ट सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होगा। इस दौरान रोजाना 24 निर्धारित उड़ानों का संचालन किया जाएगा और प्रति घंटे 10 विमानों की आवाजाही संभालने की क्षमता होगी। फिलहाल एनएमआईए देश के 9 शहरों को जोड़ रहा है, जिसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 13 गंतव्यों तक ले जाने की योजना है।

करीब 1160 हेक्टेयर में फैला यह अत्याधुनिक एयरपोर्ट भारत के राष्ट्रीय फूल कमल की थीम पर डिजाइन किया गया है। भव्य टर्मिनल के साथ-साथ यह तकनीकी रूप से भी बेहद उन्नत है। यहां डिजी यात्रा की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को पेपरलेस और कॉन्टैक्टलेस एंट्री मिलती है। इसके अलावा टर्मिनल के भीतर खाने-पीने और शॉपिंग के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जहां स्थानीय स्वाद और किफायती दामों पर खास ध्यान दिया गया है। अडानी ग्रुप और सिडको की साझेदारी में बने इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के पहले चरण को विकसित करने में लगभग 19,650 करोड़ रुपये की लागत आई है। पहले फेज में इसकी सालाना यात्री क्षमता 2 करोड़ है, जबकि सभी पांच चरण पूरे होने के बाद यह एयरपोर्ट सालाना करीब 9 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा।

17 साल बाद बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान चुनावी माहौल में बीएनपी को मिली नई ताकत

संवाददाता

ढाका : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी चेयरमैन तारिक रहमान 17 वर्ष बाद स्वदेश लौट आए हैं। देश में जारी राजनीतिक अस्थिरता और अराजक माहौल के बीच आम चुनाव की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। ऐसे समय में रहमान की वापसी से बीएनपी समर्थकों में नया जोश देखने को मिल रहा है। हालांकि, पार्टी के भीतर भरोसा कायम करना उनके लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि जिस दौर में वह निर्वासन में थे, उस दौरान पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर संघर्ष करते रहे।

प्रभावशाली जिया परिवार के उत्तराधिकारी तारिक रहमान की वापसी को अंतरिम सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के एक विशेष सहायक ने पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ गई है। इससे बीएनपी के लिए समर्थन जुटाने की राह और आसान हो सकती है।

पीएम पद के प्रबल दावेदार बने तारिक: पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया (80) के बड़े बेटे तारिक रहमान (60) फरवरी में संभावित आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में उभरकर सामने आए हैं। बीएनपी प्रवक्ता रुहुल कबीर रिजवी ने उनकी वापसी को निर्णायक राजनीतिक क्षण बताया है। तारिक के पिता जियाउर रहमान, जो सैन्य शासक से नेता बने थे, ने बीएनपी की स्थापना की थी और 1977 से 1981 तक राष्ट्रपति रहे, जब उनकी हत्या कर दी गई थी। तारिक रहमान की वापसी को देखते हुए मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। वहीं, बीएनपी ने ताकत दिखाने के लिए उनके स्वागत में लाखों समर्थकों को जुटाने का लक्ष्य तय किया है।

शेख हसीना की सत्ता जाने के बाद बदला परिदृश्य: तारिक रहमान की वापसी ऐसे समय में हुई है, जब पांच अगस्त 2024 को छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। बदले राजनीतिक हालात में बीएनपी एक बार फिर प्रमुख ताकत के रूप में उभर रही है। 2001-2006 के शासनकाल में बीएनपी की सहयोगी रही जमात-ए-इस्लामी और उसके इस्लामी दल अब बीएनपी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन चुके हैं। वहीं, अंतरिम सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत आदेश जारी कर अवामी लीग को भंग कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तारिक रहमान की वापसी से बांग्लादेश की राजनीति में नया मोड़ आ सकता है और आगामी चुनाव और अधिक रोचक होने की संभावना है।

चर्च के सामने हवन-यज्ञ और हनुमान चालीसा पाठ पर अड़ा हिंदू संगठन

वाटर कैनन और भारी पुलिस बल तैनात

हिसार : क्रिसमस के मौके पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा शहर के एक पुराने चर्च के पास धार्मिक आयोजन की घोषणा के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूजा स्थल के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एहतियातन इलाके में वज्र वाहन, वॉटर कैनन और पुलिस की तीन कंपनियां लगाई गई हैं।

दरअसल, 25 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले हिंदू शक्ति संगम कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने क्रिसमस के दिन चर्च के सामने हवन-यज्ञ और हनुमान चालीसा पाठ करने पर आपत्ति जताई है और कार्यक्रम रद्द करने की मांग की है। बढ़ते विवाद को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने दो डीएसपी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। नगर निगम ने कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर भी हटवा दिए हैं, जबकि लगाए गए झंडों को हटाने की मांग भी उठ रही है।

जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से क्रांतिमान पार्क में हिंदू शक्ति संगम का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार दोपहर होने वाले इस कार्यक्रम में बजरंग दल के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। मटका चौक स्थित चर्च के सामने क्रांतिमान पार्क में स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस के अवसर पर हवन-यज्ञ और श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है। इसके अलावा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

इस कार्यक्रम में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति के पहुंचने की भी सूचना है। वहीं, ठीक सामने स्थित सेंट थॉमस चर्च में क्रिसमस डे के अवसर पर धार्मिक आयोजन होंगे, जिनमें भी बड़ी तादाद में लोगों के आने की उम्मीद है। दोनों आयोजनों को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

उल्लेखनीय है कि क्रांतिमान पार्क के सामने स्थित 160 साल पुराना सेंट थॉमस चर्च हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस का पर्व मनाता है। इस बार भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हिसार पुलिस के अनुसार, क्रांतिमान पार्क, चर्च परिसर और आसपास के इलाकों में दो डीएसपी, दो इंस्पेक्टर, 40 से 50 महिला पुलिसकर्मियों सहित करीब 250 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन, कहा-

हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे

मुंबई: शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के संस्थापक राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और नासिक नगर निगम के आगामी चुनावों के लिए औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा कर दी। दोनों का साथ आना मराठी वोट बैंक को मजबूत करने और भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति को चुनौती देने के उद्देश्य से एक बड़े राजनीतिक पुनर्गठन का संकेत है। दोनों चचेरे भाइयों ने दादर के छत्रपति शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन की औपचारिक जानकारी दी। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई का अगला मेयर गठबंधन का मराठी मानुष होगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह गठबंधन मुंबई और महाराष्ट्र की पहचान की रक्षा के लिए बनाया गया है। हम मुंबई को बांटने या इसे महाराष्ट्र से अलग करने के प्रयासों को विफल करने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने मराठी मानुष से एकजुट रहने और दबाव का विरोध करने का आग्रह किया।

न्यूज ब्रीफ

दुमका के बक्शीबांध में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का कार्य प्रारंभ

दुमका : जिले के बक्शीबांध क्षेत्र में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) प्लांट के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ हो गया है। यह परियोजना जिले में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा ठोस कचरे के वैज्ञानिक निपटान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।
इस प्लांट के शुरू होने से नगर क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण कर उसका वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा। गीले कचरे से खाद (कम्पोस्ट) का निर्माण किया जाएगा, जबकि सूखे कचरे का पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) कर उसका उचित उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। इससे खुले में कचरा फेंके जाने की समस्या पर रोक लगेगी और स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल दुमका के निर्माण में सहायता मिलेगी।
सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के माध्यम से न केवल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। प्लांट के संचालन से स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी जिले को मजबूती मिलेगी।
जिला प्रशासन द्वारा निर्माण एजेंसी को निर्देश दिया गया है कि कार्य को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। साथ ही, निर्माण कार्य के दौरान पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

किसी भी परिस्थिति में अवैध बालू का परिवहन नहीं होना चाहिए : उपायुक्त

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बुधवार को खनन टास्क फोर्स की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में अवैध बालू का परिवहन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से ऐसे वाहनों को चिन्हित करते हुए सघन जांच अभियान चलाया जाए तथा दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
उपायुक्त श्री सिन्हा ने अवैध बालू खनन पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के उद्देश्य से औचक छापेमारी कर सख्त कार्रवाई करने का निदेश दिया। साथ ही सभी थानों को यह निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में कितने वाहनों की जांच की गई है, इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रशासन को उपलब्ध कराएं।
बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को चेक पोस्ट की निरंतर मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ करें, ताकि अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।
उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट किया कि अवैध बालू खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नीतीश कुमार से सुप्रसिद्ध गायक उदित नारायण झा ने मुलाकात की

बिनय मिश्रा : फिल्म जगत के लोकप्रिय और प्रख्यात पार्श्व गायक बिहार वासी और बिहार के गौरव तथा पद्मश्री उदित नारायण ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर उन्हें 10 वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर उन्हें अपने शुभकामना और बधाई दी ।
गौरतलब हो कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विकास और उसी के फल स्वरुप प्रदेश वासियों के द्वारा उन्हें प्रचंड बहुमत देकर पुनः सत्ता सौंपने पर तथा 20 नवंबर को मुख्यमंत्री के रूप में 10वीं बार शपथ ग्रहण करने और गिनीज बुकऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने पर उन्हें अपनी बधाई और शुभकामना दीं इस अवसर पर उदय नारायण चौधरी भी उपस्थित रहे। विदित हो कि उदित नारायण 1988 से अपनी लोकप्रिय और कर्णप्रिय आवाज में गाने गाकर बिहार का नाम रौशन और गौरवान्वित किया है।

धनबाद में साइबर अपराधी गिरफ्तार

धनबादः जिले में साइबर अपराधियों की धड़पकड़ के बीच पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी है कि अज्ञात नंबर से बैंक रिवार्ड या ई-चालान जैसे मैसेज में आने वाली अढङ फाइल को भूलकर भी डाउनलोड या ओपन न करें. ऐसा करने से साइबर अपराधी आपके बैंक अकाउंट को खाली कर सकते हैं. ऐसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसमें अढङ फाइल ओपन करते ही बैंक अकाउंट से पैसे की निकासी हो जा रही है.
धनबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. ये अपराधी होटलों में रहकर ठगी का धंधा चला रहे थे. गिरफ्तार सभी अपराधी उच्च शिक्षित हैं और ग्रेजुएट हैं. इनमें बेहतर तकनीकी ज्ञान होने के कारण ये व्हाट्सएप अकाउंट हैक करने में काफी कुशल थे.
सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित खालसा होटल के पास 'मां शांति गेस्ट हाउस' में छापेमारी की गई. गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ युवक संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हैं. पुलिस ने वहां से चार युवकों को साइबर ठगी करते रंगे हाथों गिरफ्तार किया.
गिरफ्तार अपराधी हैं, गिरिडीह निवासी रंजीत यादव, पवन कुमार मंडल, राहुल कुमार मंडल, बिहार निवासी विपिन कुमार पासवान. पुलिस ने इनके पास से 13 मोबाइल फोन, कई डिजिटल डिवाइस, एक कार और व्हाट्सएप चैट में पैसे के लेन-देन तथा बैंक खातों के डिजिटल रिकॉर्ड बरामद किए हैं.सिटी एसपी ने बताया कि गिरोह के तार अन्य राज्यों से भी जुड़े हैं. आरोपी विपिन कुमार पासवान के मोबाइल की जांच से पता चला है कि उसके बैंक अकाउंट के खिलाफ उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र में पहले से ही तीन साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हैं. नेशनल पोर्टल पर भी इनके खिलाफ साइबर अपराध के मामले दर्ज हैं.
सिटी एसपी ने लोगों से अपील की है कि अनजान नंबरों से आए किसी भी लिंक या अढङ फाइल को ओपन न करें. अपराधी लोगों को मोबाइल पर अढङ फाइल भेजते हैं, जिसे डाउनलोड कर ओपन करने पर मैसेज संबंधी सभी जानकारी उनके पास पहुंच जाती है. सतर्क रहें और ऐसे मैसेज को तुरंत डिलीट करें.

सरायकेला में उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया क्रिसमस, गिरिजाघरो में गुंजी शांति की प्रार्थना

संवाददाता

सरायकेला : शहर में आज प्रभु यीशु मसीह का जन्मोत्सव 'क्रिसमस' हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद सुबह से ही गिरजाघरों (चर्चों) में प्रार्थना करने वालों का तांता लगा रहा। 'मैरी क्रिसमस' की गूंज और घंटियों की आवाज के साथ पूरा शहर उत्सव के रंग में सराबोर नजर आया।शहर के मुख्य चर्च सरायकेला चर्च मध्यरात्रि को 'मिडनाइट मास' का आयोजन किया गया, जहाँ विशेष प्रार्थना सभा हुई। पादरी शिवानुश भूईया ने प्रभु यीशु के शांति, प्रेम और भाईचारे के संदेश को पढ़ा। उन्होंने विश्व शांति और मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना की। गुरुवार को सुवह 11.30 बजे विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पादरी शिवानुश भुईया ने कहा कि हमें अपने मन से घृणा को त्यागकर प्रेम को अपनाना चाहिए, यही क्रिसमस का असली अर्थ है।'१क्रिसमस का त्योहार हमें प्रेम, करुणा और क्षमा का संदेश देता है। प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाएं आज के समय में और भी प्रासंगिक हैं। यह दिन हमें मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा देता है। मेरी ओर से सभी देशवासियों/ नगरवासियों को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपके जीवन में खुशहाली और शांति लाए। इस अवसर पर मुख्य रुप से फलाद चंद्र महतो, दीपक गोडसोरा, तारामणी चाकी, जगदीश कोडा, निशी भुइया, मटियास मुर्मु, इलिसाबा मुर्मु आदि उपस्थित थे । सांस्क्रुतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत का आयोजन किया गया।क्रिसमस के अवसर पर गिरजाघरों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। चर्च परिसर में बनाई गई 'चरनी' (यीशु के जन्म की झाँकी) आकर्षण का केंद्र रही, जिसे देखने के लिए बच्चों और बड़ों में भारी उत्साह देखा गया। कई स्थानों पर सांता क्लॉज ने बच्चों को उपहार और टॉफियां बांटकर उनका मन मोह लिया।'प्रभु यीशु का जन्म अंधकार में प्रकाश की किरण के समान था।

क्रिसमस को लेकर जमशेदपुर शहर में उत्साह का माहौल

जमशेदपुर : क्रिसमस पर शहर के सभी प्रमुख गिरजाघरों में उत्साह के साथ प्रभु यीशु का जन्मदिन मनाया जा रहा है। लोगों ने एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। प्रभु यीशु का जन्मोत्सव गुरुवार को बड़ा दिन के रूप में मनाया जाता है। उनके जन्म के साथ ही संसार में प्रेम फैलाने का संदेश दिया गया। शहर में हर तरफ जश्न का माहौल है। चर्चो में सुबह से प्रार्थना सभा व प्रवचन का दौर शुरू हो गया। इसमें प्रभु यीशु के प्रेम संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। क्रिसमस पर बड़ों से लेकर बच्चे तक पूरे उत्साह देखा जा है।
वैसे तो बुधवार की रात में ही जन्मोत्सव मनाने का सिलसिला शुरू हो गया था, लेकिन मुख्य प्रार्थना गुरुवार की सुबह हुई।

सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर जिला स्तरीय काउंसलिंग संपन्न

संवाददाता

देवघर : जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में बुधवार को डायट में सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर जिला स्तरीय काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन संख्या 13/2023 के आलोक में झारखण्ड प्रारंभिक विद्यालय में इंटर प्रशिक्षित सहायक आचार्य कक्षा 01-05 एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य 06-08 के पद पर नियुक्ति हेतु आयोग द्वारा सफल घोषित एवं अनुशंसित अभ्यर्थियों को जिला स्तरीय काउंसिलिग उपरांत जिला शिक्षा स्थापना समिति द्वारा लिए गए निर्णय के आलोक में इस जिले में नियुक्ति की गई है। साथ ही उक्त नव नियुक्त इंटर प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 01 से 05) एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 06 से 08- गणित एवं

विज्ञान, भाषा एवं कला) के पारदर्शी एवं सुलभ पदस्थापन हेतु सभी संबंधित नव नियुक्त सहायक आचार्य (पदस्थापन हेतु प्रतीक्षारत) के पदस्थापन हेतु आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की गई।
कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर चल रहे जिला स्तरीय काउंसेलिंग कार्य का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने सहायक आचार्य (6-8 वर्ग, गणित एवं विज्ञान) पद के लिए चल रहे काउंसेलिंग को लेकर संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को निर्देशित किया कि सरकार का आदेश विज्ञापन प्रकाशन में दिए गए मानदंड तथा नियुक्ति नियमावली के नियमों को शत प्रतिशत अनुपालन करते हुए कार्य करना सुनिश्चित करें, ताकि चयनित अभ्यर्थियों को जल्द से जल्द विद्यालयों में नियुक्त किया जा सके।

माह और वर्ष के अंतिम गुरुवार को मां पौड़ी मंदिर में उमड़ी भक्तजनों की भीड़

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर में अवस्थित मां पौड़ी मंदिर में आज माह और वर्ष के अंतिम गुरुवार को मां पौड़ी की विशेष पूजा अर्चना के साथ-साथ व्यापक रूप से मां के प्रसाद के रूप में खीर , खिचड़ी और सब्जी का वितरण किया गया।इस अवसर पर भक्तजनों और श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रांगण में मां के प्रसाद को ग्रहण किया। इस अवसर पर मां पौड़ी भक्त कमिटी के सभी सदस्यों ने कहा कि - यूं तो प्रतिदिन और गुरुवार को मंदिर में भक्तिजनों का आवागमन होता है किंतु प्रत्येक माह के अंतिम गुरुवार को मां की

पूजा अर्चना के साथ -साथ मंदिर के पुजारी सुजीत कुमार के द्वारा पूजा अर्चना के साथ साथ व्यापक और वृहद रूप से प्रसाद और भोग का वितरण किया जाता है। लोग मंदिर परिसर के निकट अवस्थित स्थल पर बैठकर मां का प्रसाद और भोग ग्रहण करते हैं। और वर्ष के अंतिम गुरुवार के दिन भक्तजनों की भीड़ व्यापक रूप से रही।

बक्सर-टाटानगर 28 को एक घंटे देर से खुलेगी

जमशेदपुर : बक्सर से टाटानगर एक्सप्रेस 28 दिसंबर को 1 घंटे लेट से रवाना होगी। इससे ट्रेन लेट से टाटानगर आएगी। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से आद्रा मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण यह आदेश हुआ है। वहीं, झाड़ग्राम-धनबाद मेमू ट्रेन 25 दिसंबर को गुरुवार को बोकारो तक चली है। ट्रेनों के समय व दूरी में बदलाव से यात्रियों को परेशानी होगी। बताया जाता है कि ब्लॉक को लेकर हटिया खड़गपुर एवं अन्य मार्ग की ट्रेनों का भी परिचालन प्रभावित हो रहा है।

हजारीबाग ओपन जेल पहुंचीं डीजीपी सरेंडर किए नक्सलियों से की मुलाकात

संवाददाता

हजारीबाग : डीजीपी का पदभार ग्रहण के बाद पहली बार झारखंड की पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा ने हजारीबाग का दौरा किया। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने हजारीबाग में ओपन जेल का निरीक्षण किया। यहां डीजीपी उन नक्सलियों का हाल जानने पहुंचीं, जिन्होंने अपनी इच्छा से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था और अब वे किन स्थिति में ओपन जेल में रह रहे हैं? डीजीपी ने इसी बारे में जानकारी हासिल की।
डीजीपी ने सरेंडर किए नक्सलियों के रहन सहन को ध्यान से देखा
डीजीपी तदाशा मिश्रा ने सरेंडर किए नक्सलियों से बात की और वहां बंद नक्सलियों के रहन सहन को ध्यान से देखा। इस दौरान डीजीपी ने बंदियों के बीच 1 घंटे 45 मिनट के आसपास अपना समय बिताया। उन्होंने बंदी के साथ संवाद स्थापित किया और उन्हें क्या सुविधा दी जा रही है, उनका जीवन स्तर कैसे ऊंचा किया जाए? इस पर चर्चा हुई।
सरेंडर नक्सलियों का विकास चाहती है सरकार
निरीक्षण के दौरान डीजीपी से वहां कई बंदियों ने अपनी बातों को साझा किया। जिसके बाद ठंड को देखते हुए डीजीपी ने बंदियों को कंबल भी उपलब्ध कराया। निरीक्षण करने के बाद उन्होंने बताया कि राज्य सरकार, सरेंडर नक्सलियों और उनके पूरे परिवार पर विशेष रूप से ध्यान दे रही हैं। सरकार चाहती है कि उनका विकास हो। सरकार ने नक्सलियों को सरेंडर करने के लिए आत्मसमर्पण नीति बनाई है और उसका लाभ इन्हें मिला है। ओपन जेल का निरीक्षण के दौरान हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, एसपी अंजनी अंजन समेत जिले के कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। महत्वपूर्ण बात यह है कि तदाशा मिश्रा आने वाले एक सप्ताह के भीतर सेवा निवृत्त हो सकती हैं। इसके ठीक पहले उन्होंने ओपन जेल में पहुंचकर यहां की स्थिति को सुधारने और बंद नक्सलियों के जीवन स्तर को ऊंचा करने पर ध्यान दिया है।

हजारीबाग पुलिस ने 9 ठगों को किया गिरफ्तार

हजारीबाग : पुलिस ने 9 साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी संस्था बना कर मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी का काम कर रहे थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी शिकायत प्रतिबिंब एप में की गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विनोबा भावे नगर सिंदूर से इन सभी ठगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ठगों में 6 तेलंगाना के हैं। हजारीबाग में अब दूसरे राज्य से साइबर ठग पहुंचकर साइबर ठगी कर रहे हैं। साथ ही हजारीबाग को साइबर ठग ठिकाना भी बना रहे हैं। सभी ठगों की गिरफ्तारी कोर्रा थाना क्षेत्र से हुई है। जो फर्जी संस्था बना कर मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर लोगों से बड़े पैमाने पर ठगी कर रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोकेशन के आधार पर विनोबा भावे नगर सिंदूर से सभी ठगों को गिरफ्तार किया है।
हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। गठित टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ऑनलाइन ठगी कर रहे 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ठगों के पास से एक चार पहिया गाड़ी, 27 मोबाइल फोन और भारी मात्रा में सिम कार्ड, रजिस्टर और अन्य दस्तावेज भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में शिवानंद सिंह, नानावत महेश, सचिन कुमार, बनावत पवन, अखिल राठौर, कोडावत सचिन, सारंगी विष्णु, नाका शिवा और फरियादी अंसारी शामिल है।

दुमका में भारत स्काउट एवं गाइड का पांच दिवसीय शिविर शुरू

संवाददाता

दुमका : जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड दुमका भूतनाथ रजवार के निदेर्शानुसार भारत स्काउट एवं गाइड दुमका द्वारा संचालित गाइड का पाँच दिवसीय शिविर मंगलवार से श्रीराम कृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका में विधिवत रूप से प्रारम्भ हो गया। शिविर के दूसरे दिन बुधवार को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, दुमका के वरीय उपसभापति दिवाकर महतो एवं मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चन्द्र चौधरी ने शिविर का निरीक्षण किया। शिविर निरीक्षण के पहले वरीय उपसभापति दिवाकर महतो ने शिविर में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के ध्वज को फहराया। शिविर में शामिल गाइडों को सम्बोधित करते हुए वरीय उपसभापति दिवाकर महतो ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का प्रशिक्षण कठिन समय में भी सुगमतापूर्वक जीवन जीने की कला सिखाता है। श्री दिवाकर ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी विद्यालयों में स्काउट गाइड की यूनिट होनी चाहिए।मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चन्द्र चौधरी ने कहा कि शिविर का जीवन बहुत ही रोमांचकारी होता है। कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के शिविर में बच्चों में अच्छे संस्कार की नींव डाली जाती है। श्रीराम कृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका के प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का प्लेटफार्म बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जिला सचिव विजय कुमार दूबे ने बताया कि शिविर अवधि में गाइडों को स्काउट गाइड के जनक, स्काउट गाइड के इतिहास, नियम प्रतिज्ञा, सिद्धान्त, उदेश्य आदि के बारे में जानकारी देते हुए स्काउटिंग के

विविध कौशलों जैसे विभिन्न प्रकार के गांठ,पयोनियरिंग प्रॉजेक्ट, प्राथमिक चिकित्सा, कैम्फायर, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।श्री दूबे ने बताया कि भारत स्काउट एवं गाइड का प्लेटफार्म बच्चों को प्रशिक्षण के माध्यम से कठिन समय मे भी जीवन जीने की कला सिखाते हुए एक आदर्श नागरिक बनने में सहयोग करता है। जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार ने बताया कि इस शिविर में केजीबीवी सरैयाहाट, केजीबीवी जरमुंडी एवं मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय, दुमका के गाइड्स भाग ले रही हैं। सहायक शिविर प्रधान सह सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन ने बताया कि शिविर में शामिल सभी गाइड्स शिविर में चल रहे विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर उत्साहित हैं।जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार, जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम मोदी, जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेम्ब्रम,वरीय उपसभापति दिवाकर महतो, मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ0 दिलीप कुमार झा, कोषाध्यक्ष मानुवेल सोरेन, सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भू नाथ मिश्रा ने शिविर में भाग लेने वाली सभी गाइड्स को शुभकामनाएं व्यक्त की है। पूरे शिविर अवधि में प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक यादव, जिला सचिव विजय कुमार दूबे, जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, शिविर सहायक विभा कुमारी, शिविर सहायक सह सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन, शिविर सहायक गुलशन विश्वकर्मा, हरिमोहन, तुषार कुमार एवं श्रीराम कृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका के सभी शिक्षक पूर्ण सहयोग कर रहें हैं।